संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 192
पृष्ठ 8
गुरूवार
02 अप्रैल 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- हवाई चप्पल वाले विमान में...

विचार- अमृत समान है लहसुन का पानी...

खेल- आईपीएल से आधी रकम में पीएसएल...

एनडीए की हैट्रिक पक्की, असम से पीएम मोदी का कांग्रेस पर तीखा हमला, बोले-

घुसपैठियों को बसाना चाहती है पार्टी

दिसपुर,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि असम ने पिछले दस वर्षों में उल्लेखनीय विकास देखा है और उन्हें विश्वास है कि राज्य की जनता एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को अपना आशीर्वाद देने के लिए तैयार है। गोगमुख में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नागरिकों का उत्साह निरंतर विकास और स्थिरता के प्रति उनके समर्थन को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि यह चुनाव विकसित भारत की परिकल्पना को आकार देगा। उन्होंने कहा कि इस बार का चुनाव विकसित भारत बनाने का है... भाजपा असम में फिर से सरकार बनाएगी और हैट्रिक बनाएगी। उनकी ये टिप्पणियां आगामी विधानसभा चुनावों के लिए राज्य भर में पार्टी के प्रचार अभियान तेज करने के बीच आईं, जो 9 अप्रैल को होने वाले हैं। मोदी

ने कहा कि असम के चुनाव की घोषणा के बाद ये मेरी पहली जनसभा है। ये जो सामने जनसमुद्र है, युवाओं का ये उत्साह, बहनों–बेटियों का ये आशीर्वाद, ये प्यार इस बात की खुली घोषणा है कि इस बार हैट्रिक पक्की है। उन्होंने कहा कि आप सबके आशीर्वाद से मुझे प्रधानमंत्री के रूप में हैट्रिक बनाने का अवसर मिला। आप सबके आशीर्वाद से इस मैदान में भी हैट्रिक लगाने का अवसर मिला है, मैं यहां तीसरी बार आया हूं। और आपके आशीर्वाद से असम में सरकार भी हैट्रिक बनाने वाली है। मोदी ने कहा कि पहले सर्वानंद सोनोवाल जी का नेतृत्व और फिर हिमंता विश्व शर्मा जी की अगुवाई में असम ने बीते 10 वर्षों में सेवा और सुशासन का नया दौर देखा है। असम के ये चुनाव विकसित असम से विकसित भारत बनाने का चुनाव है। इस बार भाजपा–एनडीए सरकार की हैट्रिक लगनी तय है। और कांग्रेस की पराजय की हैट्रिक भी तय है। और कांग्रेस के स्वघोषित राजकुमार की पराजय की सेंचुरी लगने वाली है। उन्होंने कहा कि लखपति दीदी अभियान से असम की बहनों को बहुत लाभ हुआ है। अभी तक असम की करीब 3 लाख बहनें लखपति बैदेउ बन चुकी हैं। कल असम भाजपा ने ऐलान किया है कि अब डबल इंजन सरकार 40 लाख बहनों को लखपति बैदेउ बनाने का प्रयास करेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि असम में समान नागरिक संहिता लागू करना और हमारे आदिवासी समाज, छठी अनुसूची क्षेत्र की संस्कृति और परंपराओं को सुरक्षित रखना, असम की संस्कृति और परंपराओं को सुरक्षित रखना...ये असम की पहचान बचाने के लिए बहुत बड़ी घोषणाएं हैं। उन्होंने कहा कि मुझे बहुत संतोष है कि पीएम फसल बीमा योजना से असम के करीब 11 लाख किसानों को 730 करोड़ रुपये से अधिक का क्लेम मिल चुका है। लेकिन भाजपा–छक। सरकार का निरन्तर प्रयास है कि बाढ़ की समस्या का भी स्थायी समाधान निकले। भाजपा सरकार सैंकड़ों करोड़ रुपये यहां आधुनिक तटबंध बनाने पर खर्च कर रही है। मोदी ने कहा कि एक समय था, जब दुनिया में असम की चर्चा चाय के लिए होती थी। अब असम को दुनिया, चाय के साथ–साथ चिप से भी पहचानेगी। वो दिन दूर नहीं, जब असम के सेमीकंडक्टर प्लांट से चिप का उत्पादन शुरू हो जाएगा। ये असम को आधुनिक टेक्नोलॉजी के एक बहुत बड़े हब के रूप में विकसित करेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में फोन हों, गाड़ियां हों, टीवी, फ्रिज हों, ये सभी सामान असम की चिप से ही चलने वाले हैं। यही विकसित असम का हमारा रोडमैप है। मैं आपको भरोसा देता हूं कि आप यहां फिर से एनडीए सरकार बनाइए, असम का और तेजी से विकास होगा। और ये आपको मोदी की गारंटी है! विपक्ष पर वार करते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस के लिए हमेशा सत्ता की राजनीति और अपना परिवार ही पहला रहा है। दिल्ली में एक परिवार और एक परिवार यहां भी है। कांग्रेस के लिए इन्हीं परिवारों का हित सर्वोपरि है। कांग्रेस ने दशकों तक सरकारें चलाई हैं, लेकिन आप लोगों के स्वास्थ्य पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया।

ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों से जुड़े संशोधन विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026श को अपनी औपचारिक मंजूरी दे दी है। इस नए कानून का उद्देश्य ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को शारीरिक क्षति पहुंचाने वाले अपराधियों के लिए क्रमिक दंड का प्रावधान करना है। कानून मंत्रालय ने 30 मार्च को इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। विपक्षी सांसदों ने ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026 की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें समलैंगिक पुरुषों (xs) और समलैंगिक महिलाओं (लेस्बियन) को इसके दायरे से बाहर रखा गया है। विधेयक में यह निर्धारित करने के लिए एक प्राधिकरण के गठन का प्रावधान किया गया है कि कोई व्यक्ति ट्रांसजेंडर है या नहीं। इस प्रावधान को लेकर भी विपक्ष ने आपत्ति जताई है। कानून मंत्रालय की 30 मार्च की अधिसूचना के अनुसार, संशोधित कानून केंद्र सरकार द्वारा राजपत्र में अधिसूचना जारी कर निर्धारित की गई तिथि से लागू

होगा। संसद के दोनों सदनों में हुई बहस के दौरान सरकार ने कहा कि विधेयक का उद्देश्य ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की सुरक्षा करना है, जबकि विपक्ष ने आरोप लगाया कि यह प्रस्तावित कानून आत्म–पहचान के अधिकार को सीमित करता है। विपक्ष ने विधेयक को व्यापक विचार–विमर्श के लिए स्थायी समिति को भेजने की मांग भी की। विधेयक में "ट्रांसजेंडर" शब्द की स्पष्ट परिदेने और "विभिन्न यौन अभिविन्यास तथा स्व–परिकल्पित लैंगिक पहचान" को इसके दायरे से बाहर रखने का प्रस्ताव है। विधेयक में कहा गया है कि ट्रांसजेंडर व्यक्ति में "विभिन्न यौन अभिविन्यास और स्व–परिकल्पित लैंगिक पहचान वाले व्यक्तियों को न तो शामिल किया जाएगा और न ही कभी शामिल किया गया है।" इसमें कहा गया है कि अधिनियम का उद्देश्य सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से ट्रांसजेंडर के रूप में पहचाने जाने वाले एक विशेष वर्ग के लोगों की सुरक्षा करना है, जो गंभीर सामाजिक भेदभाव का सामना करते हैं।

सीएम योगी ने 250 इलेक्ट्रिक व सीएनजी वाहनों को दिखाई हरी झंडी, बोले-

बीते नौ साल में लखनऊ में जीवनस्तर बढ़ा

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ नगर निगम के बेहतर कूड़ा प्रबंधन के लिए पर्यावरण अनुकूल हरित ऊर्जा से संचालित 250 इलेक्ट्रिक एवं सीएनजी वाहनों को फ्लैग ऑफ किया। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता ने जब राजनीतिक कचरे को हटाकर बदलाव की नींव रखी, उसी का परिणाम है कि स्वच्छता के क्षेत्र में डबल इंजन सरकार द्वारा शुरू किए गए प्रयास सफल रहे और रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 2017 के पहले सत्ताधारी दलों को अंधेरा पसंद था, लेकिन हम सूर्य के उपासक हैं और सूर्यवंशी श्रीराम के अनुज लक्ष्मणजी के नाम पर लक्ष्मणपुरी में विकास को आगे बढ़ा रहे हैं। नव निर्माण के 9 वर्षों में आज हमारा लखनऊ स्वच्छता रैंकिंग में देश

के टॉप–3 शहरों में शामिल हुआ है। अब इस उपलब्धि को नई ऊंचाई देने के लिए हम 'नेट जीरो' लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं, जहां कार्बन उत्सर्जन न्यूनतम हो और प्रदूषण रहित व्यवस्था विकसित हो। इसी दिशा में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को बढ़ावा देना एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल है, जो स्वच्छ और हरित भविष्य की नींव रखेगी। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से वर्ष 2017 में हमने स्ट्रीट लाइट व्यवस्था में व्यापक बदलाव किया। पहले हैलोजन की पीली लाइटें होती थीं, जो अधिक ऊर्जा खपत करती थीं, बदरंग दिखती थीं और कीड़े–मकोड़ों के कारण उनके नीचे खड़ा होना मुश्किल होता था। पिछली सरकारों के लिए व्यवस्था सुविधाजनक थी, क्योंकि उन्हें बिजली देनी ही नहीं थी। जिनकी आदत डकैती डालना था, उनके लिए अंधेरा ठीक था। लेकिन हमारी सरकार ने तय किया कि बिना भेदभाव के 24 घंटे बिजली मिले और शहर की लाइटिंग भी एक समान, बेहतर और आधुनिक हो। इसी सोच के तहत पूरे शहर को एलईडी लाइटों से "दूधिया रोशनी" में बदलने का कार्य किया गया, ताकि हर नागरिक को सुरक्षित और बेहतर वातावरण मिल सके और अंधेरे की संस्कृति को समाप्त कर सभ्यता और विकास को आगे बढ़ाया जा सके। आज आप उत्तर प्रदेश के किसी भी शहर में जाएं, एलईडी स्ट्रीट लाइटों की दूधिया रोशनी से पूरा शहर जगमगाता दिखाई देता है। नगर निगमों ने भी स्पाइरल लाइट लगाकर शहरों को और सुंदर बनाया है। रात में सड़कों पर सुरक्षित और आकर्षक वातावरण दिखता है। लखनऊ आने वाले लोग अब इसकी खूबसूरती की सराहना करते हैं। जहां पहले 2017 से पहले अंधेरा, असुरक्षा और सफाई की कमी महसूस होती थी, आज वही शहर रोशनी, स्वच्छता और व्यवस्थित विकास का उदाहरण बनकर सामने आया है। पिछले 9 वर्षों में लखनऊ ने स्वच्छता रैंकिंग के साथ–साथ हर क्षेत्र में विकास की नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। शहर का दायरा बढ़ा है, लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है, मेट्रो संचालन शुरू हुआ है और सड़कों के चौड़ीकरण, जल निकासी तथा बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से कनेक्टिविटी मजबूत हुई है। आज लखनऊ डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के एक उभरते हब के रूप में भी स्थापित हो चुका है। प्रदेश और केंद्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से 17 नगर निगमों तथा नोएडा–ग्रेटर नोएडा को मिलाकर 18 नगर निकायों को 'सेफ सिटी' के रूप में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जोड़ते हुए सीसीटीवी कवरेज दिया गया है और अब इन्हें 'सोलर सिटी' के रूप में विकसित किया जा रहा है। सूर्यवंशी श्रीराम की पावन नगरी अयोध्या सोलर सिटी के रूप में विकसित हो गई है। लखनऊ में भी इसी प्रकार सोलर पैनल लगाकर कार्य आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत उत्तर प्रदेश में 4.25 लाख से अधिक घरों में रूफटॉप सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं, जिससे करीब 1500 मेगावाट बिजली उत्पादन हो रहा है और लोगों के बिजली बिल आधे से कम हो गए हैं। ऐसे प्रयास न केवल लोगों को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि शुद्ध और ग्रीन एनर्जी को भी बढ़ावा देते हैं। अयोध्या में 40 मेगावाट का सोलर प्लांट लगाकर पूरी प्रकाश व्यवस्था सोलर ऊर्जा से संचालित की जा रही है, जो इसे सोलर सिटी के रूप में स्थापित करती है और प्रभु श्रीराम के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक भी है। उत्तर प्रदेश देश में पब्लिक ट्रांसपोर्ट, विशेषकर मेट्रो संचालन में अग्रणी बनकर उभरा है। लखनऊ, कानपुर, आगरा, मेरठ, गाजियाबाद, नोएडा–ग्रेटर नोएडा सहित 7 शहरों में मेट्रो सेवा शुरू हो चुकी है। बेहतर पब्लिक ट्रांसपोर्ट के कारण यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। केवल लखनऊ में ही प्रतिदिन लगभग एक लाख लोग मेट्रो से यात्रा कर रहे हैं।

डबल इंजन नहीं, ये दोहरी गुलामी की सरकार-प्रियंका गांधी

दिसपुर,एजेंसी। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने 31 जनवरी को असम के नाजिरा में एक रैली के दौरान राज्य और केंद्र सरकारों की तीखी आलोचना करते हुए लोगों से उस सरकार को खारिज करने का आग्रह किया जिसे उन्होंने दोहरी गुलामी की सरकार बताया और जन कल्याण को प्राथमिकता देने वाले कांग्रेस के नेतृत्व वाले प्रशासन के लिए वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चाय बागान श्रमिकों की दैनिक मजदूरी बढ़ाने का वादा किया था, लेकिन ऐसा नहीं कियाय वे संघर्ष कर रहे हैं। चुनावी रैली में प्रियंका गांधी ने कहा कि कहा असम के जनजातीय समुदाय वर्षों से अनुसूचित जनजाति का दर्जा मांग रहे हैं, लेकिन भाजपा इसे देने में नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं से नाम हटाने की धमकी देकर असम की महिलाओं को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की रैलियों में शामिल होने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने दावा किया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में शामिल हैं। जनसभा को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि वे आपके लिए तभी काम करते हैं जब उन्हें इसमें अपना कोई लाभ दिखाई देता है। यह इस देश की परंपरा नहीं रही है। आज भी हम असम में ऐसी सरकार चाहते हैं जो आपको डराए नहीं, धमकाए नहीं, अपने स्वार्थों की पूर्ति न करे, बल्कि आपकी सेवा करे, ईमानदारी से आपके लिए काम करे, आपकी संस्कृति और सभ्यता को आगे बढ़ाए और मजबूत करे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर निशाना साधते हुए भाजपा के दो इंजन वाली सरकार के नारे को विफल बताया। उन्होंने भाजपा पर असम की जनता को दबाने का आरोप लगाया और मतदाताओं से भय पर आधारित राजनीति को नकारने का आग्रह किया। गांधी ने कहा कि उन्होंने दो इंजन वाली सरकार की बात की थी।

बंगाल चुनाव से पहले फॉर्म 6 पर नया बवाल

कोलकाता,एजेंसी। मतदान के लिए मात्र 22 दिन शेष हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल के कई जिलों में अशांति जारी है। फॉर्म 6 जमा करने को लेकर झड़पें, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं पर हमले और हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने के कथित प्रयासों ने जमीनी स्तर पर तनाव बढ़ा दिया है। कोलकाता में, आज (1 अप्रैल) फॉर्म 6 आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि होने के कारण मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के बाहर एक बार फिर भारी अराजकता की आशंका है। अधिकारियों को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) कार्यकर्ताओं की भारी लामबंदी का डर है, जिन्होंने कल इसी स्थान पर अशांति फैलाई थी। मंगलवार (31 मार्च) को, टीएमसी और भाजपा समर्थकों के बीच हिंसक झड़पों के बाद मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के बाहर नाटकीय दृश्य देखने को मिले। इस टकराव ने माहौल को तनावपूर्ण बना दिया, क्योंकि दोनों पक्षों ने एक–दूसरे पर स्थिति को भड़काने का आरोप लगाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मेदिनीपुर का एक व्यक्ति चुनाव आयोग कार्यालय में एक बैग लेकर पहुँचा। टीएमसी कार्यकर्ताओं को संदेह हुआ कि बैग में फॉर्म 6 के भरे हुए आवेदन थे, जिनका उद्देश्य कथित तौर पर टीएमसी समर्थकों के नाम मतदाता सूची से हटवाना था। समूह ने उसे रोका, जबरदस्ती पकड़ लिया और उसके कपड़े भी फाड़ दिए। हालांकि, भाजपा ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि उस व्यक्ति का पार्टी से कोई संबंध नहीं था और वह केवल एक आम नागरिक था जो निजी काम से आया था। भाजपा कार्यकर्ताओं ने टीएमसी पर गुंडागर्दी का आरोप लगाते हुए मुख्य चुनाव आयोग कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया। टीएमसी समर्थकों ने भी फॉर्म 6 से संबंधित गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए अपना विरोध प्रदर्शन किया। यह ध्यान देने योग्य है कि फॉर्म 6 का उपयोग तब किया जाता है जब किसी मतदाता का नाम मतदाता सूची में नहीं होता है या जब वे किसी नए स्थान पर स्थानांतरित हो जाते हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किया गया यह फॉर्म नए मतदाताओं को सूची में जोड़ने या मौजूदा मतदाताओं को अपना मतदान पता स्थानांतरित करने की अनुमति देता है।

महंगाई को लेकर सरकार पर हमलावर कांग्रेस

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस ने बुधवार को आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने देश की रणनीतिक और आर्थिक नीतियों को पूरी तरह तबाह कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जहां आम नागरिक राहत की उम्मीद कर रहे हैं, वहीं भाजपा सरकार जनता को लूटने और देश को संकट में झोंकने में लगी हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा एक पोस्ट में बताया, श्मोदी सरकार ने देश की रणनीतिक और आर्थिक नीतियों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है, जिसका सीधा असर अब 140 करोड़ भारतीयों को भुगतना पड़ रहा है।

केरल में गरजे राजनाथ सिंह, बोले-

एलडीएफ और यूडीएफ दशकों से जनता को धोखा दे रहे हैं

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को परवूर विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा के दौरान वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) पर केरल के मेहनती और ईमानदार लोगों को दशकों से धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोग दो गठबंधनों में से किसी एक को चुनने के लिए वोट नहीं देते, बल्कि उनमें से एक को सत्ता से हटाने के लिए वोट देते हैं। सिंह ने कहा कि एलडीएफ और यूडीएफ दोनों दशकों से केरल के मेहनती और ईमानदार लोगों को धोखा देते आ रहे हैं। उनके झंडे और चुनाव चिन्ह भले ही अलग हों,

लेकिन उनका आचरण और चरित्र एक जैसा है। उनकी सोच भी एक जैसी है। दोनों ने समाज को बांटने और केरल की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने का काम किया है। राज्य के राजनीतिक चक्र पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने आगे कहा कि केरल के लोग एलडीएफ या यूडीएफ को चुनने के लिए वोट नहीं देतेय बल्कि वे इन दोनों में से किसी एक को सत्ता से हटाने के लिए वोट देते हैं। लेकिन दुर्भाग्य से, दूसरा अपने आप सत्ता में आ जाता है। अपनी आलोचना को और तेज करते हुए सिंह ने कहा कि एलडीएफ का मतलब लूट, विभाजन और विफलता है, जबकि यूडीएफ अविश्वास, बेईमानी और धोखाधड़ी का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने आगे कहा कि केरल की जनता जानती है कि एलडीएफ का मतलब लूट, विभाजन और विफलता है। और यूडीएफ का मतलब अविश्वास, बेईमानी और धोखाधड़ी है। दोनों में एफ का मतलब भ्रष्टाचार का मोर्चा है।

ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले केरल में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए अभियान तेज कर दिया है।

चुनावी मुद्दे पर बहस के बाद युवक को चलती ट्रेन से नीचे फेंका, सिर में चोट लगने से मौत

प्रयागराज। चुनावी मुद्दे पर हुई बहस के बाद युवक ने यात्री को चलती ट्रेन से नीचे फेंक दिया। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण यात्री की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे ट्रेन में हड़कंप मच गया। सहयात्रियों ने आरोपी को पकड़ लिया।

चुनावी मुद्दे पर हुई बहस के बाद युवक ने यात्री को चलती ट्रेन से नीचे फेंक दिया। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण यात्री की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे ट्रेन में हड़कंप मच गया। सहयात्रियों ने आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी युवक हाथ

जोड़कर गिड़गिड़ाता रहा। बोगी में सवार अन्य यात्रियों ने भी बताया कि आरोपी ने कई लोगों के साथ मारपीट की।

घटना बुधवार सुबह मनौरी रेलवे स्टेशन के पास हुई। प्रकरण में जीआरपी प्रयागराज ने दो युवकों को हिरासत में लेकर घटना की छानबीन शुरू कर दी है। घटना के बाद इंटरसिटी एक्सप्रेस में यात्रियों ने आरोपी को पकड़ लिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जीआरपी मृतक यात्री की शिनाख्त करने में जुटी है।

युवती के साथ दुष्कर्म की शिकायत, जेल

प्रयागराज। थाना अंतर्गत के एक गांव निवासी युवती ने दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती सोमवर सुबह खेत में कटाई करने जा रही थी। युवती के पिता के अनुसार, बेटी मानसिक रूप से कमजोर है। आरोप है कि कुछ ही दूरी पर गांव के एक युवक ने उसे पकड़ लिया और पास ही बनी मंडी समिति में ले गया। वहा उसके साथ दुष्कर्म किया। वापस आने पर युवती ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। लड़की के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। मंगलवार को गिरफ्तार कर आरोपी को कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

छात्रा के गर्भवती होने पर पिता ने दर्ज कराई प्राथमिकी

थाना क्षेत्र की रहने वाली एक छात्रा दुष्कर्म के बाद गर्भवती हो गई। छात्रा के पिता की तहरीर पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। प्रभारी निरीक्षक खीरी कृष्ण मोहन सिंह ने बताया कि 11वीं का छात्र और नौवीं की छात्रा में कॉलेज आते–जाते संपर्क हो गया। इसके बाद दोनों मिलने लगे। आरोप है कि छात्र ने छात्रा के साथ शारीरिक संबंध बना लिया। जांच के दौरान पता चला कि छात्रा पांच महीने की गर्भवती है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि लड़की के पिता की तहरीर मिली है। प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

सहसों के थानापुर में प्रथम चौकी इंचार्ज की हुई तैनाती

प्रयागराज। क्षेत्र के थानापुर में प्रथम पुलिस चौकी इंचार्ज की तैनाती का आदेश कार्यालय पुलिस उपायुक्त गंगानगर, कमिश्नरेट द्वारा जारी किया गया। इस आदेश से क्षेत्रीय लोगों में खुशी व्याप्त है। इसकी मांग स्थानीय लोगों द्वारा काफी दिनों से की जा रही थी। इस चौकी के प्रथम चौकी इंचार्ज थरवई थाने में तैनात उपनिरीक्षक अमरदेव सिंह को बनाया गया है। यह चौकी थरवई थाने से संबद्ध रहेगी। थरवई थाना के प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि थाने से यह स्थान दूर होने के कारण कोई घटना घटित होने पर पुलिस को तुरंत पहुंचने में दिक्कत आती थी। अब चौकी इंचार्ज की तैनाती होने से यहां पर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग समेत पूरे क्षेत्र पर पुलिस की पकड़ और अधिक मजबूत हो जाएगी। ग्राम प्रधान थानापुर विजय लक्ष्मी सिंह चंदेल ने कहा कि काफी दिनों से यहां पर चौकी बनाने की मांग चल रही थी। अब पुलिस चौकी इंचार्ज की नियुक्ति कर इसे भी पूरा कर दिया गया है। जमीन की व्यवस्था ग्राम सभा स्तर पर कराई जाएगी। शीघ्र ही यहां पर पुलिस चौकी भवन का निर्माण होगा।

मेले की भीड़ में चोरों ने श्रद्धालुओं के किए फोन गायब

प्रयागराज। स्थानीय कस्बा में आयोजित तीन दिवसीय रामनवमी मेले की रौनक के बीच मोबाइल चोरों का गिरोह सक्रिय रहा। मेले में उमड़ी हजारों की भीड़ जब मनमोहक झांकियों, शानदार आतिशबाजी का आनंद ले रहे थे, तभी दर्शकों के जेब पर उचक्कों ने हाथ साफ कर दिया। इस दौरान दर्जन भर से अधिक लोगों के मोबाइल फोन गायब हो गए। पीड़ित व्यक्तियों ने पुलिस विभाग की पोर्टल पर ऑनलाइन प्राथमिकी दर्ज कराई है। लालगोपालगंज का रामनवमी मेला अपनी भव्यता के लिए प्रसिद्ध है। हजारों की संख्या में पहुंचे दर्शक जब आतिशबाजी एवं विद्युत सजावट का आनंद ले रहे थे, तभी शातिर चोरों ने उनके मोबाइल पार कर दिए। कई लोग स्थानीय पुलिस चौकी पहुंचे, जहां पीड़ितों को तत्काल कार्रवाई के लिए ऑनलाइन एफआईआर दर्ज कराने की सलाह दी गई। मोबाइल चोरी का शिकार हुए प्रतापगढ़ जनपद के हथिगवां थाना क्षेत्र के बिहरिया निवासी संजय साहू, कुढ़ा के मुस्ताज अहमद, अमरौना पिंडवासी के सुशील कुमार एवं बिसहिया निवासी रोहित कुमार तथा लालगोपालगंज के अधारगंज मोहल्ला निवासी मोहम्मद षाकिर समेत लगभग 12 से अधिक लोगों ने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ितों ने बताया कि वह मेले का आनंद लेने आए थे, लेकिन भीड़भाड़ का लाभ उठाकर किसी ने उनके मोबाइल फोन उड़ा लिए।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पॉलिसी संख्या- 0124498541 में मेरे पुत्र का नाम जय शुक्ला व जन्मतिथि 21.10.2007 दर्ज है जो गलत है। आधार कार्ड संख्या- 822007031564 के अनुसार मेरे पुत्र का सही नाम अंश शुक्ला और जन्मतिथि 21.10.2008 है, जो कि सही है। उक्त पॉलिसी में मेरे पुत्र का नाम जय शुक्ला से अंश शुक्ला एवं जन्मतिथि 21.10.2007 से 21.10.2008 कर नियमानुसार संशोधित किया जाना न्याय हित में है, जिससे भविष्य में कोई कठिनाई न हो।

मनीष शुक्ला
पुत्र श्री स्व. सुधाकर शुक्ला
पता- 26 ई पन्ना लाल रोड,
पो0 इण्डियन प्रेस, प्रयागराज-211002

गांव में नहीं हो रहा मच्छररोधी दवा का छिड़काव, ग्रामीण परेशान

प्रयागराज। क्षेत्र के ग्रामीण इलाके में इस समय गर्मी शुरू होते ही मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में पानी निकासी के लिए बनी नालियों की सफाई सुचारू रूप से नहीं की जा रही है।

निजी जगह पर भीड़ जुटा नमाज पढ़ने पर रोक, हाईकोर्ट ने कहा-शांतिभंग होने पर प्रशासन कार्रवाई के लिए स्वतंत्र

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि व्यक्तिगत सुरक्षा और निजी संपत्ति की आड़ में सार्वजनिक व्यवस्था और शांति को खतरे में नहीं डाला जा सकता। कोर्ट ने निजी जगह पर भीड़ में नमाज पढ़ने पर रोक लगा दी है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए स्पष्ट किया है कि व्यक्तिगत सुरक्षा और निजी संपत्ति की आड़ में सार्वजनिक व्यवस्था और शांति को खतरे में नहीं डाला जा सकता। कोर्ट ने याचियों को निजी संपत्ति पर भीड़ जुटाकर नमाज पढ़ने पर रोक लगा दी है।

साथ ही कहा कि शांति व्यवस्था भंग होने पर प्रशासन कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है। यह आदेश न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने तारिक खान की याचिका पर दिया है।

बरेली निवासी याची तारिक खान ने रमजान के दौरान निजी संपत्ति पर नमाज पढ़ने से रोक लगाने और शांति भंग में किए गए चालान को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी। इस मामले में कोर्ट ने बरेली की डीएम और एसएसपी को तलब किया था। न्यायालय के पूर्व आदेश के अनुपालन में बरेली के जिला मजिस्ट्रेट और वरिष्ठ

पुलिस अधीक्षक व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश हुए।

सुनवाई के दौरान अपर महाधिवक्ता अनूप त्रिवेदी ने शासन का पक्ष रखते हुए न्यायालय को अवगत कराया कि याचिकाकर्ता सुरक्षा की आड़ में नियमों का दुरुपयोग कर रहा है। हलफनामे और साक्ष्यों के माध्यम से अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता की निजी संपत्ति पर प्रतिदिन 52 से 62 लोग नमाज के लिए एकत्रित हो रहे हैं, जिससे क्षेत्र की सांप्रदायिक शांति और सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा हो रहा है।

कानून और व्यवस्था बनाए रखना अधिकारियों का प्राथमिक कर्तव्य है, और ऐसी प्रथाओं को जारी रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती जो सार्वजनिक शांति में व्यवधान डालें। न्यायालय के कड़े रुख को देखते हुए याचिकाकर्ता के अधिवक्ता राजेश कुमार गौतम ने अदालत को आश्वस्त किया कि भविष्य में उक्त संपत्ति पर नमाज के लिए बड़ी संख्या में लोगों को एकत्रित नहीं किया जाएगा।

इस वचन को रिकॉर्ड पर लेते हुए हाईकोर्ट ने उम्मीद जताई कि याचिकाकर्ता अपने वादे का पालन करेगा। हालांकि, पीठ ने कड़े शब्दों में कहा कि यदि इस वचन का उल्लंघन होता है और नमाज के बहाने भीड़ जुटाई जाती है, जिससे क्षेत्र की शांति प्रभावित होती है, तो जिला प्रशासन और पुलिस कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र होंगे। इसी क्रम में, न्यायालय ने राज्य अधिकारियों को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता और अन्य संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध 16 जनवरी 2026 को जारी किए गए चालान तत्काल वापस लिए जाएं और इस मामले में पूर्व में जारी किए गए अवमानना नोटिसों को भी रद्द कर दिया गया। साथ ही कोर्ट ने पूर्व में हसीन खान को दी गई सुरक्षा प्रशासन को वापस लेने का निर्देश दिया। इन टिप्पणियों और दिशा–निर्देशों के साथ माननीय उच्च न्यायालय ने रिट याचिका का निस्तारण कर दिया।

महज 22 साल की उम्र, एक साल की तैयारी... आईएएस अनन्या सिंह ने कैसे पास की देश की सबसे कठिन परीक्षा

प्रयागराज। हिमांशु तिवारी डिजिटल पत्रकारिता की दुनिया का एक जाना–पहचाना नाम हैं। बीते 10 सालों से वह लगातार पत्रकारिता में सक्रिय हैं और इस वक्त लाइव हिन्दुस्तान में चीफ सब एडिटर के तौर पर काम कर रहे हैं और बीते 3 साल से वह इस संस्थान से जुड़े हैं। शिक्षा, करियर, नौकरियों, नीट, जेईई, बैंकिंग, एसएससी और यूपीएससी, यूपीपीएससी, बीपीएससी और आरपीएससी जैसी सिविल सेवा परीक्षाओं से जुड़े मुद्दों पर उनकी खास पकड़ मानी जाती है। हिमांशु ने साल 2016 में पत्रकारिता की शुरुआत एबीपी न्यूज के डिजिटल प्लेटफॉर्म से किया। इसके बाद वह इंडिया टीवी और जी न्यूज (डीएनए) जैसे बड़े न्यूज चौनलों के डिजिटल प्लेटफॉर्म का भी हिस्सा रह चुके हैं। हिमांशु तिवारी सिर्फ पत्रकार नहीं, बल्कि एक सजग पाठक और आजीवन विद्यार्थी हैं, उनकी यही खूबी उनके कार्य में परिलक्षित होती है। उनका मानना है कि इन परीक्षाओं से जुड़ी सही और समय पर जानकारी लाखों युवाओं के भविष्य को दिशा दे सकती है, इसलिए वह इस बीट को सिर्फ खबर नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी की तरह देखते हैं।

लेखन की सोच और मकसद

हिमांशु के लिए पत्रकारिता का मतलब सिर्फ सूचना देना नहीं है, बल्कि पाठक को सोचने की जगह देना भी है। खासकर करियर और शिक्षा के क्षेत्र में वह यह मानते हैं कि एक गलत या अधूरी खबर किसी छात्र की पूरी तैयारी को भटका सकती है। इसलिए उनके लेखन में सरल भाषा, ठोस तथ्य और व्यावहारिक नजरिया हमेशा प्राथमिकता में रहता है। उनकी कोशिश रहती है कि पाठक को सिर्फ खबर की जानकारी ही न हो, बल्कि यह भी समझ आए कि उस खबर का उसके जीवन और भविष्य से क्या रिश्ता है।

शिक्षा और अकादमिक पृष्ठभूमि

हिमांशु मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई की और फिर जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली से पत्रकारिता के गुर सीखे। जामिया में मिली ट्रेनिंग ने उन्हें यह समझ दी कि पत्रकारिता सिर्फ तेज खबर लिखने का नाम नहीं, बल्कि तथ्यों की जांच, संदर्भ की समझ और संतुलित नजरिए से बात रखने की कला है।

रुचियां और निजी झुकाव

काम से इतर हिमांशु की गहरी रुचि समकालीन इतिहास, समानांतर सिनेमा और दर्शन में रही है। राजनीति और विदेश नीति पर पढ़ना–लिखना उन्हें विशेष रूप से पसंद है। इसी रुचि के चलते उन्होंने दो लोकसभा चुनावों और दर्जनों विधानसभा चुनावों की कवरेज की, जहां राजनीति को उन्होंने बेहद नजदीक से देखा और समझा। चुनावी आंकड़ों की बारीकियां, नेताओं के भाषण, जमीनी मुद्दे और जनता की प्रतिक्रियाएं, इन सभी पहलुओं को समेटते हुए उन्होंने सैकड़ों खबरें और विश्लेषण तैयार किए, जो राजनीतिक प्रक्रिया की गहरी समझ को दर्शाते हैं।

श्री पंचानन माहेश्वरी की स्मृति में व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज। इविंग क्रिश्चियन कॉलेज के वनस्पति विभाग में आज श्री पंचानन महेश्वरी स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के पूर्व छात्र एवं वर्तमान में बैप्ट–ब्ड्डच, लखनऊ में साइंटिस्ट ळ पद पर कार्यरत डॉ. शुऐब लुकमान ने मेहँदी पौधों के औषधीय गुणों और उनसे जुड़े नवाचारों जैसे मलेरिया रोधी, कैंसर रोधी और रोगाणुरोधी गुण पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पौधे प्राचीन काल से ही मनुष्य के लिए शोध का विषय रहे हैं, इस विषय पर विद्यार्थियों को नई ऊर्जा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अनुसंधान करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सोनिया मोजेस, प्रिंसिपल मेरी वनामेकर गर्ल्स इंटरमीडिएट कॉलेज ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए पूर्व आयोजित प्रो. लेसी मेमोरियल प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. ए. एस. मोजेस,विभागाध्यक्ष प्रो. संजय कुमार मिश्रा, जेवियर कुंचेरिया सहित सभी शिक्षक, शोध छात्र और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

होटलों और ढाबों पर कोयले की भटठी झोंकने को लोग मजबूर

प्रयागराज। क्षेत्र में इन दिनों सिलिंडर की भारी किल्लत के कारण आम जनता और छोटे व्यापारियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गैस सिलिंडरों के अभाव में अब लोग पुराने दौर की तरह कोयले की भट्ठियों पर निर्भर हो गए हैं। कस्बा निवासी दुकानदार अशोक सिंह ने अपनी व्यथा सुनाते हुए बताया कि गैस एजेंसियों के चक्कर लगाकर लोग थक चुके हैं। घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद भी सिलिंडर उपलब्ध नहीं हो पा रही है। सिलिंडर न मिलने के कारण अब कोयले की भट्ठी जलानी पड़ रही है, जिससे काम करना मुश्किल हो गया है। ग्रामीण लल्लू और इन्द्रजीत ने बताया की कोयले की भट्ठी से निकलने वाला तीखा धुआं आंखों में जलन पैदा कर रहा है और दिन भर हाथ कोयले से काले रहते हैं। इसका सीधा असर उनके व्यापार पर भी पड़ रहा है। भट्ठी के धुएं और गंदगी को देखकर अब ग्राहक भी दुकान पर आने से कतराने लगे हैं, जिससे आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। क्षेत्र के अन्य निवासियों ने भी रोष व्यक्त करते हुए कहा कि गैस की इस किल्लत ने गृहणियों और होटल–ढाबा संचालकों की कमर तोड़ दी है।

सीएचसी कौड़िहार में टेक्नीशियन का अभाव, एक्सरे कक्ष में लटका ताला

प्रयागराज। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कौड़िहार में स्वास्थ्य सेवाएं पटरी से उतर चुकी हैं। अस्पताल में लाखों रुपये की लागत से लगी आधुनिक एक्सरे मशीन बीते कई महीनों से धूल फांक रही है। तकनीशियन न होने के कारण एक्सरे कक्ष में ताला लटका है, जिससे गरीब मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। डॉक्टरों ने कई मरीजों को एक्सरे की सलाह दी, लेकिन सुविधा न मिलने पर उन्हें बैरंग लौटना पड़ा। कई मरीज मजबूरी में निजी डायग्नोस्टिक केंद्रों पर ऊंचे दामों पर एक्सरे कराने को विवश दिखे। विभागीय कर्मचारियों के अनुसार साल भर पहले यहां मशीन लगाई गई थी। कर्मचारियों की कमी के कारण बंद एक्सरे मशीन कमरे में धूल फांकती रही। किसी तरह महिला तकनीशियन वंदना की तैनाती हुई, लेकिन उनके मातृत्व अवकाश पर जाने के बाद से संकट फिर गहरा गया। बताया जाता है कि बीच में सोरांव सीएचसी के तकनीशियन सत्येंद्र कुमार को महाकुंभ मेले के बाद कौड़िहार सीएचसी भेजा गया था, लेकिन कुछ ही दिनों में उनका पुनः सोरांव बुला लिया गया।

एक्सरे टेक्नीशियन की कमी से दिक्कत आ रही है। जांच की आवश्यकता को देखते हुए उच्च अधिकारी को अवगत कराते हुए पत्र लिखा गया है। समस्या के शीघ्र निदान होने की संभावना है। –डॉ. अमरेश वर्मा, अधीक्षक सीएचसी कौड़िहार

दोषी को सजा–ए–मौत मिलने से बेटी को मिला इन्साफ

प्रयागराज। सोरांव थाना क्षेत्र में आठ वर्षीय मासूम से दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में जिला अदालत की ओर से फांसी की सजा सुनाए जाने पर मृतका के परिजनों ने राहत महसूस की है। उन्होंने कहा कि अदालत से बेटी की मौत का इन्साफ मिला है। उन्होंने इसके लिए अदालत और सरकार को धन्यवाद दिए हैं। ,बता दें कि मामला प्रयागराज के सोरांव थाना क्षेत्र का था। आरोप था कि तीन अक्तूबर 2024 को बच्ची बीमार पिता को लगने वाले इंजेक्शन की बची दवा मेडिकल स्टोर पर रखने गई थी। घर नहीं लौटी तो परिवारवालों ने रातभर खोजबीन की पर उसका कोई पता नहीं चला। अगले दिन उसका शव धान के खेत में मिला। जांच के दौरान दोषी मुकेश कुमार पटेल को अदालत ने फांसी की सजा सुनाई।

बेटे को सजा–ए–मौत पर घर में पसरा सन्नाटा

दोषी मुकेश कुमार पटेल को अदालत द्वारा फांसी की सजा सुनाने के बाद मंगलवार को गांव में तरह–तरह की चर्चाएं हो रही थी। वहीं दोषी के घर में मंगलवार को सन्नाटा पसरा था। दोषी के माता–पिता ने बताया कि अदालत पर विश्वास है। बेटे को फांसी की सजा मिली है। अदालत के इस फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी जाएगी।

क्षेत्र पंचायत की बैठक में कई अधिकारी रहे अनुपस्थित

प्रयागराज। क्षेत्र पंचायत की बैठक में कई विभाग के अधिकारी अनुपस्थित रहे। इसको लेकर प्रमुख गायत्री मिश्रा ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि जिन विभाग के अधिकारी नहीं आए हैं उन्हें नोटिस दी जाएगी। इसकी जानकारी पत्राचार के माध्यम से डीएम के अलावा शासन को भेजी जाएगी। प्रमुख ने बताया कि सीएचसी मेजा के अधीक्षक अनुपस्थित रहे। उनके स्थान पर सीएचसी की बीपीएम सुमन कुशवाहा को भेजा गया था। वहीं पशु चिकित्सालय, राजकीय नलकूप विभाग, कृषि अधिकारी बैठक में अनुपस्थित रहे। क्षेत्र पंचायत की बैठक में उस समय हड़कंप मच गया, जब घोरी ग्राम पंचायत के प्रधान अखिलेश कुमार ने कहा कि गांव में टीबी के कई मरीज हैं लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने कागज पर टीबी मुक्त गांव घोषित कर दिया। कागज पर की गई घोषणा से वे आहत हूं। मैं यह सम्मान नहीं ले सकता हूं। हुआ यह कि स्वास्थ्य विभाग ने मेजा ब्लॉक के चार गांवों को टीबी मुक्त गांव घोषित किया है। इसमें घोरी, ईंटवा खुर्द, गड़ेवरा और सुजनी गांव शामिल है। इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग ग्राम प्रधानों को सम्मानित करना चाह रहा था लेकिन इसी बीच घोरी प्रधान अखिलेश कुमार ने स्वास्थ्य विभाग की असलियत ही बता दी।

पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से सड़क पर जलभराव

प्रयागराज। प्रयागराज–रायबरेली मार्ग पर स्थित पुलिस बूथ तिराहा के पास निर्माण कार्यदायी संस्था की लापरवाही आम लोगों पर भारी पड़ रही है। जहीदपुर मोड़ पर जल निगम की अंडरग्राउंड पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है। वहीं क्षेत्र के कई गांवों की पेयजल आपूर्ति भी ठप हो गई है। ग्रामीण डॉ. रामापति त्रिपाठी, अवधेश कुमार

साहू, पंकज पटेल, शिव लाल गुप्ता, पवन कुमार, अदनान फारूकी और मोहम्मद खालिद आदि ने बताया कि राजमार्ग पर सड़क निर्माण का कार्य चल रहा था। जेसीबी मशीनों से खोदाई होने से जल निगम की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई है। जहीदपुर मोड़ पर पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिससे राहगीरों व दुकानदारों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। वहीं पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से कमालापुर, बांधपुर, पियरी समेत कई गांव में पेयजल आपूर्ति ठप हो गई है। लोगों का आरोप है कि जल निगम और सड़क निर्माण करा रही संस्था के बीच समन्वय की कमी का खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

कांग्रेस की चौपाल में मनरेगा और महंगाई का उठा मुद्दा

प्रयागराज। बकसेड़ा गांव में मंगलवार को कांग्रेस की ओर चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में मनरेगा की बदहाली और महंगाई को लेकर आक्रोश व्यक्त किया गया। मुख्य अतिथि कांग्रेस गंगापार जिलाध्यक्ष अशफाक अहमद ने कहा कि केंद्र सरकार मनरेगा जैसी जनहितकारी योजना को खत्म करने की साजिश रच रही है। आज मनरेगा मजदूरों को समय पर काम नहीं मिल रहा है, जिससे गरीबों के मुंह से निवाला छीना जा रहा है। कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे मनरेगा को बचाने और महंगाई के खिलाफ अपनी लड़ाई को गांव–गांव तक ले जाने को तैयार हैं। संचालन सुनील पांडेय और अध्यक्षता रितेश पासी ने किया। मौके पर डॉ.अमर सिंह पटेल, सद्दाम हुसैन सिद्दीकी, रमेश मौर्या, कार्तिकेय पाण्डेय, शिव प्रसाद मौर्या, मो. मुसारिफ, अनवर अली और लालजी आदि रहे।

सड़क पर जलभराव से आवागमन बाधित, राहगीरों को परेशानी

प्रयागराज। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कटका में सड़क पर

जलभराव होने से राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कटका चौराहा से मिर्जापुर मार्ग पर पानी भर जाने के कारण स्थिति और भी गंभीर हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर पानी भरा होने से पैदल चलना मुश्किल हो गया है। जब एक साथ दो ट्रक, बस या अन्य बड़े वाहन गुजरते हैं तो राहगीरों के लिए रास्ता पूरी तरह अवरुद्ध हो जाता है। इससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से जल्द समस्या के समाधान की मांग की है, ताकि आवागमन सुगम हो सके।

सेवानिवृत्त होने पर हरिप्रसाद मिश्रा को शिक्षक साथियों और समाज के प्रबुद्ध लोगों ने किया सम्मानित

प्रतापगढ़। सड़वा चंडिका क्षेत्र के गौहानी निवासी वरिष्ठ शिक्षक हरिप्रसाद मिश्रा सेवानिवृत्त होने पर शिक्षक साथियों और समाज के प्रबुद्ध लोगों ने किया सम्मानित। प्रधानाध्यापक पद से सेवानिवृत्त होने तक हरि प्रसाद मिश्र सम्मिलित विद्यालय पूरे नरायन दास सांगीपुर प्रतापगढ़ में सम्मानित रुप से शिक्षण कार्य

किया, गृहस्थ जीवन सुखमय व्यतीत करने के लिए शिक्षक साथियों में अरुण कुमार सिंह, श्रीमती मीरा सिंह, सुनीता पुष्पजीवी, ऊषा सिंह, प्रज्ञा मिश्रा, श्रीमती किरन, दुर्गावती, और समाज के प्रबुद्ध लोगों साथ पारिवारिक रिस्तेदार विनय तिवारी, पंकज शुक्ल, किशन पाण्डेय, प्रीती तिवारी, सवर्ण आर्मी भारत दिल्ली प्रदेश उपाध्यक्ष ज्योति कीर्ती पाण्डेय, समाज सेवी उमाशंकर मिश्राष्भोलाष, जीवन श्री फाउंडेशन के निर्देशक डॉ.राजेन्द्र मिश्र, शिव शंकर तिवारी ष्सोहगौराष आचार्य कृपा शंकर पाण्डेय, राम करन ओझा,उमेश मिश्र, राजू मिश्र, सहित तमाम लोगों स्मृति चिन्ह माला पहनाकर तथा पुष्पा दे कर स्वागत अभिनन्दन किया।

मथुरा में नशीले पदार्थ के खिलाफ कार्रवाईः 180 ग्राम के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

मथुरा। जनपद में नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मगोर्रा पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को अवैध नशीले पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक, मंगलवार को रात्रि करीब 10रू15 बजे थाना मगोर्रा क्षेत्र के जाजमपट्टी सर्विस रोड पर जाजनपट्टी की ओर लगभग 100 मीटर दूरी पर पुलिस टीम गश्त पर थी। इसी दौरान संदिग्ध गतिविधि के आधार पर पुलिस ने दिनेश उर्फ भुल्ली पुत्र सौरन निवासी नगला नारायण सिंह भाग, कोसीखुर्द थाना मगोर्रा, जनपद मथुरा (उम्र करीब 41 वर्ष) को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से 180 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ बरामद हुआ, जिसके बाद उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना मगोर्रा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है और उसके खिलाफ पूर्व में मु0अ0सं0 101/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज है।

पुलिस ने बताया कि इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, ताकि क्षेत्र में अवैध नशीले पदार्थों के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

इस सफलता में थानाध्यक्ष हरीश चौधरी, उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार, उपनिरीक्षक विजेन्द्र सिंह एवं हेड कांस्टेबल श्याम किशोर की अहम भूमिका रही, जिनके प्रयास से अभियुक्त को गिरफ्तार किया जा सका।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आरक्षित ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी सं. 04052/04051 नई दिल्ली - हावड़ा आरक्षित विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 04052 नई दिल्ली - हावड़ा			गाड़ी संख्या - 04051 हावड़ा - नई दिल्ली	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
-----	18:15	नई दिल्ली	08:20	-----
21:50	21:52	अलीगढ़	02:10	02:12
22:58	23:00	टूण्डला	00:58	01:00
02:10	02:15	गोविन्दपुरी	21:55	22:00
06:10	06:15	प्रयागराज	18:40	18:45
07:58	08:00	मिर्ज़ापुर	16:38	16:40
23:40	-----	हावड़ा	-----	01:40

• नई दिल्ली से गाड़ी संख्या 04052, शुक्रवार, दिनांक : 17.04.2026 से 15.05.2026 एवं 29.05.2026 से 10.07.2026 • हावड़ा से गाड़ी संख्या 04051, रविवार, दिनांक : 19.04.2026 से 17.05.2026 एवं 31.05.2026 से 12.07.2026

गाड़ी संरचना : वातानुकुलित तृतीय श्रेणी : 02, स्लीपर श्रेणी : 08, सामान्य श्रेणी : 04

गाड़ी सं. 04062/04061 दिल्ली - भागलपुर आरक्षित विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 04062 दिल्ली - भागलपुर			गाड़ी संख्या - 04061 भागलपुर - दिल्ली	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
-----	11:45	दिल्ली	20:10	-----
13:48	13:50	अलीगढ़	14:58	15:00
15:15	15:17	टूण्डला	12:00	12:02
19:20	19:25	गोविन्दपुरी	09:15	09:20
22:45	22:50	प्रयागराज	06:30	06:35
13:30	-----	भागलपुर	-----	16:30

• दिल्ली से गाड़ी संख्या 04062, मंगलवार, दिनांक : 21.04.2026 से 14.07.2026
• भागलपुर से गाड़ी संख्या 04061, बुधवार, दिनांक : 22.04.2026 से 15.07.2026

गाड़ी संरचना : वातानुकुलित द्वितीय श्रेणी : 01, वातानुकुलित तृतीय श्रेणी : 01, स्लीपर श्रेणी : 10, सामान्य श्रेणी : 04

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 725/26 (AS)

ताडेपल्लीगुडेम में विशाल रैली के साथ विश्व होम्योपैथी जागरूकता सप्ताह का श्री गणेश

ताडेपल्लीगुडेम, एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एएसआरएचएमसी) और उमर अलीशा रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट (यूएआरडीटी) के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को विश्व होम्योपैथी जागरूकता सप्ताह के अवसर पर एक विशाल होम्योपैथी जागरूकता रैली निकाली गई। इस जगरुकता सप्ताह का समापन आगामी 7अप्रैल को होगा।इस रैली का उद्देश्य होम्योपैथी दवा के वैज्ञानिक प्रभाव तथा उसके उपलब्धि के बारे में आम जनों को अवगत कराना है।

इस अवसर पर श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के 9वें पीठाधिपति तथा यूएआरडीटी के चेयरमैन, सद्गुरु डॉ. उमर अली शाह बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होकर हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली का शुभारंभ किया। सरकारी व्हिप और ताडेपल्लीगुडेम के विधायक बोलिसेट्टी श्रीनिवास इस कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता एएसआर ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अकुला विजय वर्धन ने की। जागरूकता रैली आरटीसी कॉम्प्लेक्स से शुरू होकर मेन रोड तक गई, जिसमें सैकड़ों स्टूडेंट्स, फैकल्टी और हेल्थकेयर प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

इसमें ताडेपल्लीगुडेम के डीएसपी सह एसडीपीओ डी. विश्वनाथ,प्रो. जी. रविकिरण शास्त्री, और डॉ. आनंद कुमार पिंगली भी मौजूद थे, जिन्होंने जन स्वास्थ्य शोध और जागरूकता के लिए राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (एनसीएच) की अनुशंसाओं के महत्व पर जोर दिया।

इस अवसर पर अपने उदगार व्यक्त करते हुए श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नौवें पीठधिपति सद्गुरु डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि स्वास्थ्य का अर्थ सिर्फ़ बीमारी का न

होना नहीं है, बल्कि यह आध्यात्मिक और शारीरिक तालमेल की स्थिति है। उमर अलीशा रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट के ज़रिए, हमने हमेशा पूर्ण स्वास्थ का सपोर्ट किया है। यह रैली यह पक्का करने की दिशा में एक कदम है कि हमारे गांव के सबसे दूर–दराज के नागरिक भी यह समझ पाएं कि सेहत के लिए होम्योपैथी औषध एक सुरक्षित, वैज्ञानिक और सस्ता मार्ग है। हमें पारंपरिक ज्ञान और मॉडर्न देखभाल के बीच के अंतर को कम करने के लिए एएसआरएचएमसी के साथ पार्टनरशिप करने पर गर्व है।ष

सरकारी सचेतक और विधायक श्री बोलिसेट्टी श्रीनिवास ने कहा कि ताडेपल्लीगुडेम वैज्ञानिक शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा का उत्कृष्ट केंद्र बन रहा है। आज की रैली स्थानीय नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। एकीकृत स्वास्थ्य के लिए राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप, होम्योपैथी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मैं जनता से इस सप्ताह आयोजित किए जा रहे मुफ्त चिकित्सा शिविरों का लाभ उठाने और हमारे स्थानीय संस्थानों द्वारा प्रदान किए जा रहे श विज्ञान प्रदर्शनी को देखने का आग्रह करता हूं।

एएसआर ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अकुला विजय वर्धन। ने अपनी बात रखते हुए कहा कि एएसआर ग्रुप में हमारा मिशन ऐसी स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है जो दयालु और साक्ष्य–आधारित दोनों हो। यह विश्व होम्योपैथी सप्ताह केवल एक कार्यक्रम नहीं है; यह समुदाय के प्रति हमारी संस्थागत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हम श्पारंपरिक ज्ञान से मूर्त विज्ञानश की ओर बढ़ रहे हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारे छात्र नैदानिक अनुसंधान और सार्वजनिक सेवा में सबसे आगे हों।ष डॉ. आनंद कुमार पिंगली द्वारा कहे गए एनसीएच अनुशंसा पर अपने विचार रखते हुए उन्होंने कहा कि ष्नेशनल कमीशन फॉर होम्योपैथी ने हमें एक साफ़ मैंडेट दिया हैरू होम्योपैथी को एक शोध के पहल में बदलना है जो अधिकतम स्वास्थ्य प्रदान कर सके। यह रैली एक हफ़्ते के इंटेंसिव कम्युनिटी आउटरीच और डेटा–ड्रिवन स्क्रीनिंग कैंप की शुरुआत करती है। हम साबित कर रहे हैं कि होम्योपैथी एक सटीक विज्ञान है, और हमारे श्प्रोजेक्ट हेल्थ ताडेपल्लीगुडेमश का मकसद साइंटिफिक प्रोटोकॉल के ज़रिए 2,000 से ज़्यादा लोगों की ज़िंदगी पर असर डालना है।ष

ताडेपल्लीगुडेम के डीएसपी सह एसडीपीओ डी. विश्वनाथ ने एक वाइब्रेंट समाज के लिए पब्लिक सेफ्टी और हेल्थ अवेयरनेस के महत्व पर ज़ोर दिया, जबकि प्रो. शास्त्री ने ष्साइंटिफिक इंटरफ़ेसष पर ज़ोर दिया, यह देखते हुए कि होम्योपैथी में टेक्नोलॉजी और रिसर्च का इंटीग्रेशन इसकी ग्लोबल एक्सेप्टेंस के लिए ज़रूरी है।

बुधवार को, ताडेपल्लीगुडेम में एएसआरएचएमसी के अर्बन पेरिफेरल बाह्य रोगी वभाग में एक एक निशुल्क मेडिकल शिविर भी लगाया गया। जिसमें डायबिटीज स्क्रीनिंग,लिपिड प्रोफाइल, थायरॉइड प्रोफाइल, बोन मिनरल डेंसिटी (बीएमडी) टेस्ट आदि किए गए। इस अवसर पर लायंस क्लब के गवर्नर गट्टेम माणिक्यलाराव समेत कई गणमाण्यों ने भाग लिया।

नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह प्रतापगढ़ में नियमों की अनदेखी कर कराया जा रहा विकास कार्य

विगत दो वर्षो की सूचना/हिसाब, कारण बताओ नोटिस/आदेश जारी होने के बाद भी नहीं दिया जा रहा हिसाब – आरटीआई एवं सामाजिक कार्यकर्ता राजीव नयन मिश्र एडवोकेट

प्रतापगढ़। आज के परिदृश्य को देखकर क्षेत्र की सम्मानित जनता एवं सम्मानित पत्रकार बन्धुओं को संबोधित करते हुए आरटीआई एवं सामाजिक कार्यकर्ता राजीव नयन मिश्र एडवोकेट वार्ड नं01 पूरे तोरई नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह प्रतापगढ़ ने बताया कि नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह प्रतापगढ़ का विगत दो वर्षों में कराये गये कार्यों की सूचना/हिसाब उत्तर प्रदेश सूचना आयोग के माध्यम से मागा गया है।

आयोग द्वारा कार्यदायी संस्था को कारण बताओ नोटिस/आदेश जारी होने के बाद सूचना संबधित अभिलेखों का अवलोकन कर सूचना प्राप्त करने की बात कहने के बाद भी सूचना/हिसाब प्रदान नहीं की जा रही है। जबकि सरकार द्वारा दिया गया प्रत्येक फण्ड नियमों, शर्तों/प्रतिबन्धों के

अधीन होते हैं। नियमों की अनदेखी कर कार्य कराये जाने के कारण सूचना/हिसाब देने में दिक्कत हो रही है। जमीनी हकीकत में किसी कार्य की पूर्णता का डिस्प्ले बोर्ड नहीं लगाया गया है। शासनादेश के माध्यम से आये फण्ड में ओवरलैपिंग ग्राम पंचायत के समय में कराये कार्यो का डीपीआर भेजा गया है और किसी कार्य को किसी दूसरी जगह कराये जाने की पुष्टि हुई है। दो वर्षो से अधिक समय बीत जाने के बाद भी कार्यों को कम्प्लीट नहीं कराया गया है। टेन्डर प्रक्रिया में समयावधि पर सवाल खड़ा करता है।

सोशल मीडिया में खुलेआम भ्रष्टाचार को उजागर किया जा रहा है। निहित स्वार्थ लोग, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यदायी संस्था द्वारा नियमानुसार कार्य न कराये जाने के कारण हमारे समाज का समुचित विकास नहीं हो पा रहा है। जातिवाद से ऊपर उठकर सोचने की जरूरत है। हम सब एक है। व्यवहारिकता सही लेकिन व्यवहारिकता मात्र से हमारे समाज का विकास नहीं होगा। हमारी आपकी जागरुकता से ही हमारे समाज का समुचित विकास होगा। परिवर्तन की सोच एवं निरूस्वार्थ भागीदारी से ही हमारे समाज का समुचित विकास होगा।

फुटबॉल यंगस्टर्स क्लब प्रयागराज की स्मारिका विमोचन समारोह संपन्न

क्लब के 75 वर्ष पूर्ण होने पर डायमंड जुबली के उपलक्ष्य में स्मारिका का हुआ प्रकाशन

प्रयागराजरू स्थानीय शहर के एलनगंज स्थित दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज के सभाकक्ष में फुटबॉल यंगस्टर्स क्लब प्रयागराज की ष स्मारिका विमोचन समारोह ष संपन्न हुआ। जिला फुटबाल संघ के तत्वावधान में आयोजित यंगस्टर्स क्लब इलाहाबाद की स्थापना की 75 वर्ष पूर्ण होने पर मनाई गई डायमंड जुबली के उपलक्ष्य में प्रकाशित की जा रही ष स्मारिका ष का विमोचन समारोह प्रदेश सह संयोजक विधि एवं कानून विभाग भाजपा उत्तर प्रदेश व अधिवक्ता उच्च न्यायालय सुशील मिश्रा,अध्यक्ष जिला ओलंपिक संघ प्रयागराज के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ.स्वतंत्र मिश्रा ने समारोह की अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथि द्वय के रुप में पूर्व मुख्य विकास अधिकारी कौशाम्बी बी.एन. मिश्रा व राष्ट्रीय पत्रकार संघ के अध्यक्ष उमेश द्विवेदी उपस्थित रहे। जिला फुटबॉल संघ की ओर से पी.एन. केसरवानी, दिनेश मिश्रा व कबीर ख़ान आदि ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया। यंगस्टर्स क्लब इलाहाबाद की ओर से संजीव चंदा ने कार्यक्रम का संचालन किया। जिला फुटबॉल संघ के अध्यक्ष नारायण जी गोपाल ने यंगस्टर्स क्लब इलाहाबाद के संस्थापक संरक्षक के पद पर रह चुके स्व.एम.आर.शेरवानी, स्व.लाल बहादुर शास्त्री (पूर्व प्रधानमंत्री), स्व.पंडित केसरी नाथ त्रिपाठी एवं पूर्व कमिश्नर स्व.गिरधर गोपाल जी के योगदान की चर्चा करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

मथुरा में आग का कहरः कोतवाली के सामने दुकान जलकर खाक, 20 लाख का नुकसान

मथुरा। शहर कोतवाली के सामने स्थित डोरी–पत्तल की एक दुकान में देर रात अचानक भीषण आग लग गई, जिससे इलाके में अफरातफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते दुकान से ऊंची–ऊंची लपटें उठने लगीं और धुएं के गुबार से पूरा आसमान भर गया। घटना स्थल कोतवाली से महज 200 मीटर की दूरी पर होने के कारण आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल दमकल विभाग को बुलाया गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का कार्य शुरू किया। दुकान में डोरी, प्लास्टिक की रस्सियां और सूखे पत्तलों जैसे ज्वलनशील सामान होने के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया, जिससे दमकलकर्मियों को आग पर काबू पाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। घंटों की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक दुकान में रखा करीब 20 लाख रुपये का सामान जलकर राख हो चुका था।

शब्दों का संसार

(छप्पय)

शब्दों का संसार सजाना जिसको आता।
चालाकी के साथ वही सब कुछ कह जाता।
सीधे–साधे लोग न समझे उसकी फितरत।
सह करके नुकसान कहें यह मेरी किस्मत।
रहन–सहन व्यवहार के देखें उनके चोचले।
जिनके कारण हो गए रिश्ते सारे खोखले।।

उनके मीठे बोल दिलों को छू जाते हैं।
उपहारों के संग द्वार पर जो आते है।
फैशन का है दौर सोच भी हुई निराली।
अमृत को सब छोड़ पी रहे विष की प्यारी।
सब कुछ अच्छा है नहीं फिर भी अच्छा सब लगे।
मस्ती और उमंग को ठगते अपने ही सगे।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

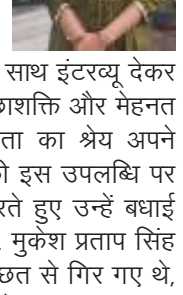

आचार्य रामचंद्र शुक्ल स्मारक शिक्षण संस्थान में वार्षिक परीक्षाओं का परिणाम घोषित, उच्च श्रेणी वाले छात्र–छात्राएं पुरस्कृत

मीरजापुर। रमईपट्टी स्थित आचार्य रामचंद्र शुक्ल स्मारक शिक्षण संस्थान एवं एआरसी एस पब्लिक स्कूल में वर्ष 2025–26 के छात्र–छात्राओं का वार्षिक परिणाम घोषित कर अंक पत्र वितरित किया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्य कार डॉ अनुज प्रताप सिंह ने विभिन्न कक्षाओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान पाने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया। इस दौरान साहित्यकार आनंद अमित एवं साहित्यकार केदारनाथ सविता भी उपस्थित रहे। प्रारम्भ में मुख्य अतिथि व अन्य गणमान्य अतिथियों ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया। अपने वक्तव्य में मुख्य अतिथि डॉ अनुज प्रताप सिंह ने कहा कि प्ररम्भिक शिक्षा ही आगे की आधारशिला होती है। कवि आनंद अमित ने आज के बच्चों को कल के भारत का कर्णधार बताया। साहित्यकार केदारनाथ सविता ने बच्चों को शिक्षा के लिए जागरूक किया। विद्यालय के प्रबंधक राकेश शुक्ल ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सबसे अच्छी शिक्षा प्राप्त करने की उम्मीद की। इस अवसर पर प्रधानाचार्य आशीष चंद्र शुक्ल, अध्यापक समीर मिश्रा, जितेंद्र मौर्य, शशिकला श्रीवास्तव, प्रियंका विश्वकर्मा, नीतू मिश्रा,मंजुला मिश्रा, शिवानी विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

जैंत की अनुराधा बनीं पीसीएस अधिकारी, पहले प्रयास में हासिल की सफलता

चौमुंहा। क्षेत्र के गांव जैंत की बेटी अनुराधा सिंह ने पहले ही प्रयास में यूपी पीसीएस परीक्षा उत्तीर्ण कर असिस्टेंट कमिश्नर का पद हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से गांव में खुशी का माहौल है और लोगों द्वारा उन्हें लगातार बधाइयां दी जा रही हैं। अनुराधा सिंह, जिला पंचायत के पूर्व सदस्य ठा. मुकेश प्रताप सिंह की पुत्री एवं पूर्व प्रधान ठाकुर जगन्नाथ प्रसाद सिंह की पौत्री हैं। उन्होंने जीएलए विश्वविद्यालय से कंप्यूटर साइंस में बीटेक की पढ़ाई पूरी की है। खास बात यह रही कि उन्होंने सात माह के बच्चे के साथ इंटरव्यू देकर यह सफलता हासिल की, जो उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और मेहनत का उदाहरण है। अनुराधा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों और परिवारजनों को दिया है। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र के कई गणमान्य लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। बताया जाता है कि अनुराधा के पिता ठा. मुकेश प्रताप सिंह पिछले नौ वर्षों से कोमा में हैं। नौ वर्ष पूर्व वे छत से गिर गए थे, जिसके बाद से लगातार उपचार के बावजूद वे सामान्य अवस्था में नहीं आ सके। ऐसे कठिन हालातों में भी अनुराधा ने हिम्मत नहीं हारी और सेल्फ स्टडी के दम पर यह मुकाम हासिल किया।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 12120252026 दिनांक : 30.03.2026

ई–निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग / उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई- निविदाए प्रपत्र पर दिनांक 22.04.2026 को 13:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है-

क्र.सं : 1	निविदा नं.: 267	अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 56,82,243.60

कार्यों का विवरण: सहायक मण्डल अभियन्ता / लाइन / कानपुर के अन्तर्गत ट्रिम्बल गेडो वोर्सिंग ट्रॉली सिस्टम का उपयोग कर के प्री और पोस्ट टैम्पिंग ट्रैक माप सर्वेक्षण का कार्य।

बयाने की रकम ₹ : ₹ 1,13,600.00 | कार्य समापन की अवधि : 18 माह

इलिजिबिलिटी क्राइटेरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्य : रेलवे लाइन /सड़क मार्ग का इंजीनियरिंग सर्वेक्षण

क्र.सं : 2	निविदा नं.: 268	अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 87, 21,097.98

कार्यों का विवरण: सहायक मण्डल अभियन्ता / द्वितीय / कानपुर के अधीन एस.एस. ई.(कार्य)/ मु0/कानपुर के अन्तर्गत कानपुर में स्टोर बिल्डिंग की व्यवस्था का कार्य। (केवल भूतल के लिए)

बयाने की रकम ₹ : ₹ 1,74,400.00 | कार्य समापन की अवधि : 08 माह

इलिजिबिलिटी क्राइटेरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्य : कन्स्ट्रक्शन ऑफ बिल्डिंग

क्र.सं : 3	निविदा नं.: 269	अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 2,25,37,813.71

कार्यों का विवरण: सहायक मण्डल इंजीनियर/मु0/द्वितीय/ कानपुर के अन्तर्गत टी.एम.एस. में अपशिष्ट / सीवेज जल पुनर्चक्रण के लिए एस.टी.पी.की आपूर्ति स्थापना और कमीशनिंग संचालन की सुविधा एवं एम.डी.डी.टी.आई./ कानपुर, ई. एल.एस./ कानपुर और टी.एम.एस. कानपुर में अन्य संबंधित कार्य।

बयाने की रकम ₹ : ₹ 4,50,800.00 | कार्य समापन की अवधि : 39 माह

इलिजिबिलिटी क्राइटेरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्य : एस.टी.पी./ई.टी.पी. की आपूर्ति स्थापना परीक्षण कमीशनिंग

क्र.सं : 4	निविदा नं.: 270	अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 1,12, 52,544.13

कार्यों का विवरण: (अ) सहायक मण्डल अभियन्ता / द्वितीय / कानपुर के अंतर्गत 5 वर्षों के लिए कालोनियों में नए पंप हाउस पर क्लोरीनीकरण संयंत्र की व्यवस्था द्वारा जलापूर्ति में सुधार का कार्य। (ब) सहायक मण्डल अभियन्ता / मु0/द्वितीय/ कानपुर के अधीन आर.सी.सी ओवर हैड टैंकों (27 संख्या) पर जल स्तर सूचक यंत्र लगाने का कार्य।

बयाने की रकम ₹ : ₹ 2,25,100.00 | कार्य समापन की अवधि : 60 माह

इलिजिबिलिटी क्राइटेरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्य : पीने के पानी की कीटाणुशोधन के लिए जल उपचार संयंत्र की स्थापना / संचालन और रख-रखाव

क्र.सं : 5	निविदा नं.: 271	अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 1,23,27,541.40

कार्यों का विवरण: सहायक मण्डल अभियन्ता / मु0/द्वितीय / कानपुर के अन्तर्गत पुराने और क्षतिग्रस्त भवन की जगह अनवरगंज में नया सबस्टेशन भवन निर्माण और पावर सप्लाई सिस्टम का संवर्धन और बढ़ाने का कार्य।

बयाने की रकम ₹ : ₹ 2,46,600.00 | कार्य समापन की अवधि : 08 माह

इलिजिबिलिटी क्राइटेरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्य : कन्स्ट्रक्शन ऑफ बिल्डिंग

निविदा खुलने की तिथि : 22.04.2026

नोट :- 1. आन लाइन निविदा दिनांक 22.04.2026 को 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है।, 2. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे टेण्डर खुलने की तिथि 22.04.2026 तक उपलब्ध है। 710/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

धार्मिक स्वतंत्रता पर अमरीका का ढोंग

हाल ही में यू.एस. कमीशन ऑन इंटरनैशनल रिलीजियस फ्रीडम की एक रिपोर्ट आई, जिसमें बताया गया कि भारत में दिनों–दिन धार्मिक स्वतंत्रता का हनन हो रहा है। यह भी कहा गया कि सरकारों द्वारा अल्पसंख्यकों पर हमलों को बढ़ावा दिया जाता है और सरकार एन.जी.ओज के पीछे पड़ी है। हालांकि सरकार ने सारे आरोपों को निराधार और राजनीति से प्रेरित बताया। यह भी कहा कि अमरीका पहले अपने गिरेबान में झांके, जहां मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों तथा दूसरे ध र्मावलम्बियों पर लगातार हमले हो रहे हैं। दरअसल दुनिया भर में काम करने वाले तमाम एन.जी.ओज ही ऐसी रिपोर्ट्स बनवाने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। इनमें से अधिकांश को विदेशों से धन प्राप्त होता है। इनका कोई न कोई आका ऐसी रिपोर्ट्स बनवाता है। बहुत से पश्चिमी देशों, खासकर अमरीका के बारे में कहा जाता है कि वे ऐसे व्यापारी हैं, जो बिना किसी लाभ के एक डालर खर्च नहीं करते। तो आखिर इन रिपोर्ट्स से अमरीका को क्या लाभ होता है? वह लाभ है, लोगों को तरह–तरह से भड़काना, अस्थिरता पैदा करना। यदि अमरीका के ऐसे करतबों के बारे में जानना हो तो जॉन पर्किंस की बेहद महत्वपूर्ण पुस्तक–'कन्फैशन ऑफ ऐन इकोनॉमिक हिटमैन' पढ़ी जा सकती है। पर्किंस खुद इकोनॉमिक हिटमैन रहे हैं। हिटमैन शब्द का इस्तेमाल अक्सर हत्यारों के लिए किया जाता है। ऐसे में इकोनॉमिक हिटमैन का मतलब हर तरह से देश की तबाही करना होता है। जॉन बताते हैं कि यह बनने के लिए कठोर परीक्षा से गुजरना पड़ता है। यदि आप पकड़े जाएं, तो कोई आपकी जिम्मेदारी नहीं लेता। अमरीका के लिए काम करने वाले इन लोगों का काम तीन चरणों में होता है। पहले ये लोगों के सांस्कृतिक और बहुलतावादी संस्कृति के अंतवरोधों का लाभ उठाकर, कभी भाषा, कभी धर्म, तो कभी पहनावे आदि को लेकर लोगों को भड़काते हैं। इसके लिए लोगों को बाकायदा आर्थिक मदद दी जाती है। उनकी खबरें अधिक से अधिक प्रसारित कराने के लिए मीडिया मैनेजमैंट किया जाता है और जो भी सरकारें होती हैं, चाहे राज्य सरकारें या केंद्र सरकार, उसके खिलाफ आंदोलन कराए जाते हैं, ताकि सरकारें टूट जाएं। यदि तब भी सफलता न मिले, तो ये और अधिक खतरनाक हो जाते हैं। इन्हें जॉन ने नाम दिया है–जैकाल्स। इनका काम देशों के नेताओं को मरवाने का होता है। किस–किस नेता को इस तरह से मारा गया, इसके उद्धरण पुस्तक में दिए गए हैं। मान लीजिए नेताओं के मरने के बाद भी किसी देश में अस्थिरता नहीं फैलती, तो फिर अंतिम आप्शन होता है, युद्ध का ऐलान, सेना की चढ़ाई। पिछले कुछ दशकों में अमरीका ने जिन–जिन देशों पर युद्ध थोपा है, उनमें इन तीनों बातों को देखा जा सकता है। ईरान में भी जब लोगों का आंदोलन हुआ, तो अमरीका ने सोचा कि वहां सरकार टूट जाएगी। नहीं टूटी तो फौरन चढ़ाई करके वहां के सुप्रीम लीडर और अन्य नेताओं को मार दिया। कहने का अर्थ यह कि जिन भी देशों पर अमरीका हमलावर हुआ, वहां के लोगों की धार्मिक आजादी तो छोडिए, जीवन की आजादी तक का सम्मान भी नहीं किया गया। हां, 'पर उपदेश कुशल जरूर बहुतेरे' हो सकते हैं। यूं भी अमरीका में आज तक शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति राष्ट्रपति बना है, जो ईसाई धर्म को मानने वाला न हो। राष्ट्रपति वहां बाइबिल पर हाथ रखकर शपथ लेते हैं। अपने यहां तो ऐसी कोई मजबूरी नहीं कि कोई मंत्री या सांसद किस ग्रंथ पर हाथ रख कर शपथ ले। जिसकी जो मर्जी हो, वह वैसा कर सकता है। बराक हुसैन ओबामा अमरीका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति थे। जब वह राष्ट्रपति बने, तो उन्हें कहना पड़ा कि वह मुसलमान नहीं ईसाई हैं, क्योंकि वहां के सर्वोच्च पद पर शायद किसी अन्य धर्मावलम्बी के लिए कोई जगह नहीं। अमरीकी बात जरूर बना सकते हैं कि उनके यहां ही सबसे अधिक धार्मिक आजादी है, जबकि अपने देश में डा. जाकिर हुसैन, फखरुद्दीन अली अहमद और डा. अब्दुल कलाम राष्ट्रपति बने हैं। ज्ञानी जैल सिंह भी राष्ट्रपति रह चुके हैं। और तो और, अमरीका में आज तक कोई महिला राष्ट्रपति नहीं बन सकी, जबकि भारत में इंदिरा गांधी 1966 में ही प्रधानमंत्री बन गई थीं, प्रतिभा पाटिल राष्ट्रपति रह चुकी हैं तथा द्रौपदी मुर्मू वर्तमान में देश की राष्ट्रपति हैं। भारतीय समाज एक तरह से समावेशी समाज है। लेकिन ये पश्चिमी एजैंसीज, जब देखो तब भारत को अपनी तरह–तरह की रिपोर्ट्स के डंडों से पीटती रहती हैं। आखिर यह अधिकार इन्हें दिया किसने? आप कौन होते हैं, हमारे देश के बारे में बोलने वाले? दुनिया के दारोगा हैं क्या? सारी हेकड़ी और दारोगाई ईरान ने निकाल दी है, फिर भी अकड़ रहे हैं। और दिलचस्प यह है कि जब अमरीका ईरान पर टूट पड़ा, तब यह रिपोर्ट आई, क्योंकि भारत ने अमरीका के हमले का कोई समर्थन नहीं किया। करे भी क्यों, हमला तुम करो और हम समर्थन करें? स्पेन और जर्मनी के नेताओं ने ठीक कहा कि हमले से पहले क्या हमसे पूछा था, जो अमरीका का साथ दें? सोचने की बात है कि क्या ईरान के लोगों की कोई धार्मिक स्वतंत्रता नहीं कि आपने ऐन रमजान के दिनों में उन पर हमला बोला और ईद पर भी नहीं रुके?

मथे ना माखन होय की ओर बढ़ता देश

निर्मला भुराड़िया

इस देश में अल्पसंख्यकों–खास तौर पर मुसलमानों के प्रति घृणा का भाव दूर–दूर और बहुत गहराई तक फैल चुका है। हर उम्र, हर वर्ग और हर लिंग के लोग इस घृणा रोग से पीड़ित दिखाई देते हैं। उनमें अनपढ़ या अर्द्ध शिक्षित तो हैं ही, उच्च शिक्षा प्राप्त भी शामिल हैं। इसका ताजा उदाहरण है बेंगलुरु के पीईएस विश्वविद्यालय में अफ्फान नामक मुस्लिम छात्र को प्राध यापक डॉ. मुरलीधर देशपांडे द्वारा एक नहीं, बल्कि 13 बार आतंकवादी कहकर संबोधित किया जाना। डॉ. देशपांडे ने कहा, ईरान युद्ध तुम्हारे जैसे लोगों की वजह से हुआ, ट्रम्प तुम्हें ले जाएगा,श और तुम मूर्ख हो, तुम नरक में जाओगे। ये टिप्पणियां भरी कक्षा में अन्य छात्रों के सामने की गईं। अफ्फान का समर्थन करने वाले कुछ छात्रों को कथित तौर पर कक्षा के दौरान बात करने के लिए निलंबित कर दिया गया। प्रोफेसर ने बाद में कॉलेज से माफी मांगी, लेकिन पीड़ित छात्र से नहीं। धार्मिक लेकिन आम तौर पर सांप्रदायिकता से परहेज रखने वाले दक्षिण भारत में यह हुआ, उसके दो दिन बाद राष्ट्रीय राजधानी से सटे गाजियाबाद के ओपुलेंट मॉल में पहनावे के आधार पर भेदभाव का शर्मनाक मामला सामने आया। यहां मॉल प्रबंधन ने मोहम्मद सैफुल्ला नामक दुकानदार को कुर्ता–पायजामा पहनने की वजह से कारोबार करने से रोक दिया। मॉल प्रबंधन का कहना था कि मालिकों ने दाढ़ी और कुर्ता पायजामा पहनकर कारोबार करने वाले सभी लोगों का प्रवेश निषेध किया हुआ है। इसके बाद उनकी दुकान कई दिन बंद रही। दुकान सैफुल्ला के नाम से ली गई थी लेकिन कारोबार उनके छोटे भाई फैज संभालते थे, जो कि धार्मिक रीति रिवाज का पालन करते हुए दाढ़ी रखाते हैं और कुर्ता–पायजामा, टोपी पहनते हैं। सैफुल्ला ने इस मामले में पुलिस से गुहार लगाई लेकिन वे अभी तक कार्रवाई का इंतजार ही कर रहे हैं। हाल ही में बनारस में रमजान के दौरान 14 मुस्लिम लड़कों को गिरफ्तार कर लिया गया, क्योंकि एक भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि इन्होंने नाव में सवार होकर गंगा में इफ्तार पार्टी की और चिकन बिरयानी खाकर पवित्र जल में हड्डियां फेंक दी। इससे उनकी और अन्य हिन्दुओं की भावनाएं आहत हो गई हैं। इस घटना को मुख्य धारा के टीवी मीडिया ने बहुत जोर–शोर से उछाला। आखिर आहत भावनाओं से टीआरपी कमाने का मौका था। उत्तेजक उद्घोषों–यह खबर देखिए, इसे देखकर आपका भी खून खौल उठेगा के साथ बार–बार यह खबर चलाई गई और कहा गया कि यह सनातन पर हमला है। जाहिर है इसका मकसद धार्मिक उत्तेजना फैलाना और समुदाय विशेष को प्रताड़ित करना ही था, वरना तो गंगा और अन्य पवित्र नदियों को हम सभी जिस तरह प्रदूषित और गंदा कर रहे हैं, वह किसी से छिपा नहीं है। नदियों की सफाई के बहुप्रचारित प्रोजेक्ट तो कभी पूरे होते ही नहीं। ऐसे में सिर्फ मुस्लिम लड़कों को पकड़ना, साफ तौर पर उन्हें निशाने पर लेना ही है। पिछले एक दशक से यही कुछ चल रहा है। शासन, प्रशासन और तथाकथित धार्मिक संगठनों द्वारा लोगों के दिमाग में जहर भरकर मुसलमानों को टारगेट करने, प्रताड़ित और अपमानित करने के मामले इतने हैं कि उनकी केवल फेहरिस्त बनाने पर ही अच्छा–खासा पोथन्ना तैयार हो जाएगा। 2015 में दादरी के एक गांव में अफवाह फैली थी कि अखलाक नामक एक शख्स के घर गौमांस रखा हुआ है। महज इस अफवाह और शक की बिना पर ही लोग उसके घर में घुस गए, उसे बाहर निकाला और फिर भीड़ ने उसे पीट–पीट कर मार डाला। यह न पहली घटना थी न आखिरी। तथाकथित गौ रक्षक दल गांव–गांव घूमते हैं, जाने किस अधिकार से वाहनों को रोककर जांच करते हैं। अक्सर झूठी शंका में वाहन मालिक, चालक के साथ मारपीट करते हैं,अगर वह मुसलमान हुआ तो उसकी जान तक लेने पर उतारू हो जाते हैं।

यह बात बहुत आम हो चुकी है कि रामनवमी आदि अवसरों पर गले में केसरिया गमछा डाले, हाथ में केसरिया ध्वज और तलवार वगैरह लिए तथाकथित धर्मरक्षक अपना जुलूस मस्जिद के सामने से निकालते हैं, वह भी डीजे पर नफरत से भरे गाने बजाते हुए। हाल ही में इस तरह के गाने चुनरी यात्राओं और धार्मिक शोभायात्राओं के लिए खासतौर पर बनाए गए हैं, मसलन– हम हिंद के गद्दारों को मिलकर सबक सिखाएंगे, अब ऐसे बाबर की छाती में हम भगवा लहराएंगे। ये धर्मरक्षक मस्जिद पर चढ़कर भगवा झंडा लगाने को बहादुरी समझते हैं। दरअसल, इस तरह मुसलमानों को उकसाया जाता है ताकि वह प्रतिक्रिया करें तो उन्हें और प्रताड़ित किया जा सके। कानून, अदालत सबूत जुटाए, फैसला करें उसके पहले ही विध्वंस की कार्रवाई हो चुकी होती है। अदालती प्रक्रिया के बगैर ऐसा करना इंसाफ है या पाप– यह थोड़ा भी दिमाग दौड़ाने पर समझा जा सकता है। इस नफरत को संस्थागत करने की कोशिश की जा रही है, तरह–तरह के कानून बनाकर। जैसे कांवड़ यात्रा के रास्ते पर दुकानदारों को अनिवार्य रूप से नेम प्लेट लगाने का आदेश, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस पर अंतरिम रोक लगा दी थी। हमने देखा है कि कांवड़ यात्रा के दौरान बहुत से स्वयंसेवक हाथ में पवित्र जल के पात्र के बजाय लाठी लिए, गले में केसरिया गमछा लटका कर घूमे और दुकान–दुकान जाकर देखा कि कोई ठेले वाला या दुकान वाला मुस्लिम हो और उसने अपनी नेम प्लेट न लगाई हो। कुछ जगह तो यात्रा मार्ग में पड़ने वाली मस्जिदों–मजारों पर पर्दा लगाकर उन्हें ढंका गया। गोया उन पर नजर पड़ने भर से धर्म भ्रष्ट हो जाएगा! इस बीच भगवाध ारियों ने तोड़फोड़ भी की, लेकिन खबरिया चौनलों ने बताया कि कांवड़िए अपनी आहत भावनाओं का बदला ले रहे हैं। लव जिहाद, थूक जिहाद, जमीन जिहाद, नौकरी जिहाद, ये जिहाद, वो जिहाद जैसे कई नव आविष्कृत शब्द हमारी शब्दावली में घुसा दिए गए। कोरोना के वक्त यह बात जोर–शोर से उठाई गई कि देश में बीमारी फैलाने के लिए मुस्लिम जान करके खाने की चीजों पर थूकते हैं। इसे थूक जिहाद बताया गया। हद तो यह है कि बड़ी संख्या में हिन्दुओं ने इस दुष्प्रचार पर विश्वास किया और मुसलमानों को दोगुनी नफरत से देखा, अलग–थलग किया। ऐसे झूठे इल्जाम से कभी सब दिलों की धड़कन रहे शाहरुख खान को भी नहीं बख्शा गया। लता मंगेशकर के निधन पर शाहरुख ने अपने रिवाज के अनुसार दुआ फूंकी तो इस बात ने जोर पकड़ लिया कि शाहरुख ने लता जी की श्रद्धांजलि में थूका। धर्म, सत्ता और मुख्यधारा का मीडिया

हवाई चप्पल वाले विमान में या हवाई सेवाएं जमीन पर!

राजेंद्र शर्मा

हैरानी की बात नहीं है कि हमारे उद्घाटन–वीर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने, पांच विधानसभाई चुनावों के लिए अपने प्रचार के औपचारिक चरण के लिए दिल्ली से रवाना होने से ठीक पहले, एक धमाकेदार उद्घाटन करना जरूरी समझा। हम राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा में निर्माणाध ीन नये हवाई अड्डे के पहले चरण के उद्घाटन की बात कर रहे हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि प्रधानमंत्री ने इस हवाई अड्डे के निर्माण को अपने राज में तेजी से हो रही प्रगति के साक्ष्य के रूप में ही पेश नहीं किया, देश के लिए जरूरी विकास के मॉडल के तौर पर भी पेश किया, जो उनकी पार्टी के डबल इंजन राज की ही कृपा से उत्तर प्रदेश को नसीब हो रहा है। यहां ढांचागत क्षेत्र के विकास के इस मॉडल की जरा नजदीक से पड़ताल करना अप्रासांगिक नहीं होगा, जिसे बहुत से विश्लेषणकर्ता नुमाइशी (वेनिटी) विकास मॉडल मानते हैं। स्वाभाविक रूप से शनिवार 28 मार्च के जेवर एअरपोर्ट के उद्घाटन की खबरों ने राजधानी में और खासतौर पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में काफी सुर्खियां बटोरीं। आखिरकार, राजध ानी से दिल्ली के वर्तमान अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से कुछ ही 12 किलोमीटर की दूरी पर यह नया हवाई अड्डा बन रहा है, जिसे न सिर्फ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों के लिए हवाई यात्रा की सुगमता करने वाला बताया जा रहा था, बल्कि खबरों में तो श्देश का सबसे बड़ा हवाई अड्डाश कहकर भी प्रचारित किया जा रहा था। यह दूसरी बात है कि छोटे प्रिंट में दी जा रही जानकारियां, एक तरह से हाथ के हाथ इस दावे की अतिरंजना को भी उजागर कर रही थीं। सच्चाई यह है कि प्रधानमंत्री ने इस हवाई अड्डे के निर्माण के पहले चरण का ही उद्घाटन किया है, जिसमें कार्गो टर्मिनल तथा मरम्मत, रख–रखाव आदि से संबंधित हिस्से ही शामिल हैं। इस चरण पर करीब 11,200 करोड़ रुपए की लागत आई है। इस हवाई अड्डे का निर्माण चार चरणों में, 2040 तक पूरा होना है। फिलहाल, कुछ घरेलू उड़ानों के शुरू होने की चर्चा जरूर है, लेकिन उसकी भी कोई निश्चित तारीख तय नहीं की गयी है। हैरानी की बात नहीं होगी कि उत्तर प्रदेश के अगले विध ानसभाई चुनाव से पहले, प्रध ानमंत्री एक बार फिर इस हवाई अड्डे के किसी हिस्से का उद्घाटन करने के लिए यहां लौटें।जहां तक संबंधित परियोजना का सवाल है, प्रधानमंत्री ने कहा कि यह एक ढांचागत परियोजना ही नहीं है बल्कि श्विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश अभियान का नया अध्याय है। यह एअरपोर्ट उत्तर भारत के लिए लॉजिस्टिक गेटवे बनकर निवेश, व्यापार और निर्यात को नयी गति देगा।...पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए विकास का नया द्वार खोलेगाश, आदि। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री ने यह दावा भी किया कि इससे, श्किसानों, छोटे और लघु उद्योगों और युवाओं को व्यापक अवसर प्राप्त होंगे।श प्रधानमंत्री ने इस परियोजना के साकार होने के लिए किसानों के श्जमीन के योगदानश के लिए आभार ही व्यक्त नहीं किया, किसानों को यह सपना भी दिखाया कि उनके कृषि उत्पाद अब वैश्विक बाजारों तक पहुंचसकेंगे! प्रधानमंत्री ने यह दावा भी किया कि यह एअरपोर्ट पश्चिमी उत्तर प्रदेश के युवाओं को रोजगार और अवसरों की नयी दिशा देगा। लेकिन कैसे, यह स्पष्ट करने की उन्होंने जरूरत नहीं समझी। प्रधानमंत्री इस मौके पर गिनती को तर्क बनाने का खेल नहीं खेलते यह तो संभव ही नहीं था। प्रधानमंत्री ने इसे अपने राज में उत्तर प्रदेश के तेजी से विकास कर रहे होने का पैमाना बनाया कि उत्तर प्रदेश अब पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों वाला देश का पहला राज्य बन गया है। और यह भी कि मोदी के शासन संभालने से पहले, देश में कुल 74 हवाई अड्डे थे, जबकि अब तक यह संख्या बढ़कर 160 से अधिक हो चुकी है। हवाई अड्डों की संख्या और विकास के इसी समीकरण को और पुख्ता करते हुए, 28 मार्च के उद्घाटन ईवेंट से ठीक पहले, 25 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक ने क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए संशोधित उड़ान योजना को मंजूरी दी थी, जिसमें दस वर्ष में 100 हवाई अड्डे बनाने का ऐलान किया गया है। इस योजना के लिए 28,840 करोड़ रुपए के निवेश का लक्ष्य रखा गया है। अगर हवाई अड्डे बनना ही विकास का पैमाना है, तो जाहिर है कि मोदी राज में देश का बहुत तेजी से विकास हो रहा है। लेकिन, यहीं उत्तर प्रदेश का ही एक और आंकड़ा सामने आकर खड़ा हो जाता है, जिसकी प्रधानमंत्री मोदी के हवाई क्षेत्र के विकास के दावों के जवाब में, समाजवादी पार्टी नेता, अखिलेश यादव ने याद दिलाई है। यह आंकड़ा जो वास्तव में एक आरटीआई के सरकारी जवाब में सामने आया है, यह दर्शाता है कि हवाई कनेक्टिविटी का विस्तार कर, अपेक्षाकृत कम आबादी के केंद्रों को उसके दायरे में लाने के इरादे से, पिछले पांच–छरू साल में उत्तर प्रदेश में हजारों करोड़ रुपए खर्च कर, 7 नये हवाई अड्डे शुरू किए गए थे। लेकिन, इनमें से पूरे 6 हवाई अड्डे बंद हो चुके हैं, जहां से नियमित रूप से कोई हवाई सेवा काम ही नहीं कर रही है। इनमें आजमगढ़, अलीगढ़, मुरादाबाद, आगरा, कुशीनगर, चित्रकूट आदि के हवाई अड्डे शामिल हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि सैकड़ों करोड़ रुपए की लागत से और कीमती जमीन लगाकर बनाए गए हवाई अड्डे अगर हवाई यातायात का ही काम नहीं कर रहे हैं, तो उन्हें फिजूलखर्ची की निशानी भले माना जा सके, विकास की निशानी तो किसी भी तरह नहीं माना जा सकता है।यह सिर्फ उत्तर प्रदेश की ही समस्या नहीं है। कम या ज्यादा, खासतौर पर पूरे ढांचागत क्षेत्र के विकास की यही समस्या है। चूंकि आम तौर पर यह माना जाता है कि ढांचागत सुविधाएं जितनी ज्यादा हों उतना ही बेहतर है, जोकि ऐसे विकासशील देश में स्वाभाविक भी है, जहां सुविधाओं की हमेशा तंगी रही है, यह समीकरण ढांचागत क्षेत्र में निवेश को आसानी से विकास का पर्याय बना देता है।

सीमा वर्णिका की कलम से छोटी कहानी

आखिर है तो पराया

सीमा वर्णिका,
कानपुर

माँ की अर्थी से चिपका पाँच साल का शुभम फूट–फूट कर रो रहा था।वहाँ उपस्थित सबका हृदय यह दृश्य देखकर द्रवित हो उठा था। भावावेश में बुआ जी भतीजे को अपने साथ घर ले जाने की हठ कर बैठीं । लोगों ने बहुत समझाया कि सोच समझ लो दूसरे का बच्चा पालना इतना आसान नहीं है पर बुआ जी ने किसी की एक न सुनी । वैसे भी माँ के बिना बच्चा पलता कैसे और पिता जी को तो पीने से फुर्सत न थी। अंततः शुभम बुआ के साथ आ गया।

बुआ जी ने अपने घर के पास एक स्कूल में उसका नाम लिखा दिया। समय के साथ उसकी औपचारिक शिक्षा पूरी हो चली थी। आगे की शिक्षा के लिए लंबी चौड़ी फीस के पैसे कहाँ से आते उसके पिता ने तो कभी फूटी कौड़ी भी हाथ में नहीं रखी।

शुभम अब तो बुआ फूफा जी को ही माता–पिता की तरह से मानता था और सदा उनकी सेवा में लगा रहता बुआ जी के अपने बच्चे विदेश में बड़ी–बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियों में नौकरियों में व्यस्त थे शुभम के रहने से उन्हें कभी अपने माता–पिता की चिंता भी नहीं रहती थी। शुभम ने पूरा जीवन घर के प्रति समर्पित कर दिया था।

शुभम आज कॉलेज से जल्दी घर आ गया । घर पर कोई आया हुआ था आवाजें आ रही थी।तभी उसे बुआ फूफा जी का समवेत स्वर सुनाई दिया ष्अरे! शुभम का नाम नहीं पड़ना.. वसीयत में उसका हक कहाँ से बन गया वकील साहब।ष

ष्अरे वह बात नहीं थी भाई साहब भाभी जी ..हमें लगा आपने उसे अपने बच्चे की तरह बचपन से पाला पोसा है तो शायद उसे भी कुछ हिस्सा देंगे,ष वकील साहब बोले।

ष्ठीक कह रहे हैं आप वकील साहब.. है तो वह आखिर पराया. . वैसे भी बहुत पैसा खर्च किया है हम लोगों ने उसकी परवरिश में..,ष्फूफा जी बोले।

शुभम के तो पैरों तले जमीन खिसक गई उसका शरीर काँप रहा था उसे धन दौलत हिस्सा नहीं चाहिए था। लेकिन इस पराए होने के अहसास ने जैसे उसे तोड़ दिया । आज उसे फिर से अपनी माँ की कमी बहुत खल रही थी।

केरल के चुनाव सभी पार्टियों के लिए चुनौतीपूर्ण

कल्याणी शंकर

विपक्ष में एक दशक बिताने के बाद, कांग्रेस पार्टी 2026 के चुनावों से पहले केरल में अपना प्रभाव फिर से हासिल करने की कोशिश कर रही है। सत्तारूढ़ सी.पी.आई. (एम) (माकपा) नियंत्रण बनाए रखने के लिए प्रयासों को तेज कर रही है। वहीं दूसरी ओर, कांग्रेस के नेतृत्व वाला यू.डी.एफ. सत्ता की तलाश में है, जिसे पिछले लोकसभा चुनावों और स्थानीय निकाय चुनावों के मजबूत परिणामों से बल मिला है। आगामी चुनाव एल.डी.एफ. की सत्ता बरकरार रखने की क्षमता और यू.डी.एफ. की कड़ी चुनौती का परीक्षण करेंगे। 1982 के बाद से, मतदाताओं ने हर 5 साल में बारी–बारी से वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एल.डी.एफ.) और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यू.डी.एफ.) का समर्थन किया है, जिससे किसी भी सरकार को लंबे समय तक सत्ता में रहने से रोका जा सका। हालांकि, 2021 में मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के नेतृत्व में एल. डी.एफ. ने लगातार दूसरा कार्यकाल जीता। दोनों पाघ्टयां वर्तमान में मोदी सरकार का विरोध और मुस्लिम मतदाताओं के समर्थन के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। एन.डी.ए. केरल में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहता है। भाजपा अपना वोट शेयर बढ़ाने और महत्वपूर्ण सीटें जीतने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। राज्य स्तर पर कांग्रेस के अधिकारी आश्वस्त महसूस करते हैं। हालांकि, स्थानीय स्तर पर गंभीर समस्याएं हैं, जो भविष्य के चुनावों में उनकी संभावनाओं को नुकसान पहुंचा सकती हैं। केरल में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा प्रमुख राजनीतिक गठबंधन है, जिसे मुख्य रूप से हिंदुओं का समर्थन प्राप्त है। इसके विपरीत, संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा अल्पसंख्यक समूहों के समर्थन पर निर्भर करता है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उदय ने यू.डी.एफ. से कुछ हिंदू वोटों को अपनी ओर खींचा है, जिसमें इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आई.यू.एम.एल.) और केरल कांग्रेस शामिल हैं, जो लगभग 27 प्रतिशत मुस्लिमों और 18 प्रतिशत ईसाइयों का प्रतिनिधित्व करते हैं। केरल के 6 जिलों में कम से कम दस 'सिंवग' (अनिश्चित) निर्वाचन क्षेत्र हैं, जो महत्वपूर्ण हैं क्योंकि पिछले दो विधानसभा चुनावों में, तीनों गठबंधनों को मतदाताओं का लगभग समान समर्थन मिला था। कांग्रेस के भीतर आंतरिक संघर्ष, विशेष रूप से उम्मीदवारों के चयन को लेकर, पार्टी की एकजुटता के महत्व को रेखांकित करते हैं। भले ही सतीशन, चेन्निथला और वेणुगोपाल जैसे नेता विधानसभा चुनावों से पहले एकजुट दिख रहे हों लेकिन वे अभी भी सत्ता के लिए आपस में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। 2026 के केरल विधानसभा चुनावों में, भाजपा ईसाई मतदाताओं, विशेष रूप से मध्य केरल में, के साथ जुडने की पूरी कोशिश कर रही है। पार्टी स्थानीय समुदायों के साथ जुडने, प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने और अपने प्रयासों में वरिष्ठ नेताओं को शामिल करने की योजना बना रही है। उनका लक्ष्य खुद को पारंपरिक यू.डी.एफ. गठबंधन के एक मजबूत विकल्प के रूप में पेश करना है। पार्टी बुनियादी ढांचे, नौकरियों और सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित कर रही है। हाल ही में, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एन.डी.ए.) ने स्थानीय चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया। यह दर्शाता है कि केरल का राजनीतिक परिदृश्य, जिस पर यू.डी.एफ. और एल.डी. एफ. का दबदबा रहा है, बदल सकता है। उम्मीदवारों के चयन पर कांग्रेस के भीतर मतभेद, जिसमें टिकट वितरण के बारे में राहुल गांधी की चिंताएं भी शामिल हैं, पार्टी की एकजुटता को कमजोर और मतदाताओं के भरोसे को प्रभावित कर सकते हैं। प्रस्तावित सूची में लगभग 60 प्रतिशत उम्मीदवार लोकसभा सदस्य और पार्टी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल से जुड़े हैं। गांधी ने कांग्रेस के भीतर अधिक संगठित दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया है। चुनाव समिति केवल राज्य इकाई के नामांकन पर निर्भर रहने की बजाय जाति समीकरण, जीतने की क्षमता और पिछले चुनावी परिणामों जैसे प्रमुख कारकों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। पार्टी कार्यकर्त्ता उम्मीदवार सूची में महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व को लेकर भी चिंतित हैं। जमीनी स्तर पर स्थिति स्पष्ट है। माकपा ने प्रभावी प्रचार और स्पष्ट संगठन के माध्यम से मजबूत प्रगति की है। इसके विपरीत, कांग्रेस को अभी भी अपने सदस्यों को संगठित करने में कठिनाई हो रही है। कुछ लोग जो मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं, वे अपने समर्थकों के लिए टिकट सुरक्षित करने हेतु कड़ी मेहनत कर रहे हैं। वे केवल वफादार कार्यकर्त्ताओं की मदद करने या नए नेता बनाने का काम नहीं कर रहे, वे अपने समूहों को मजबूत करने की भी कोशिश कर रहे हैं। कई शीर्ष नेता अपने वफादार समर्थकों को महत्वपूर्ण पदों पर बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। वे इसे चुनावों के बाद मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल होने से पहले समर्थन जुटाने के तरीके के रूप में देखते हैं।

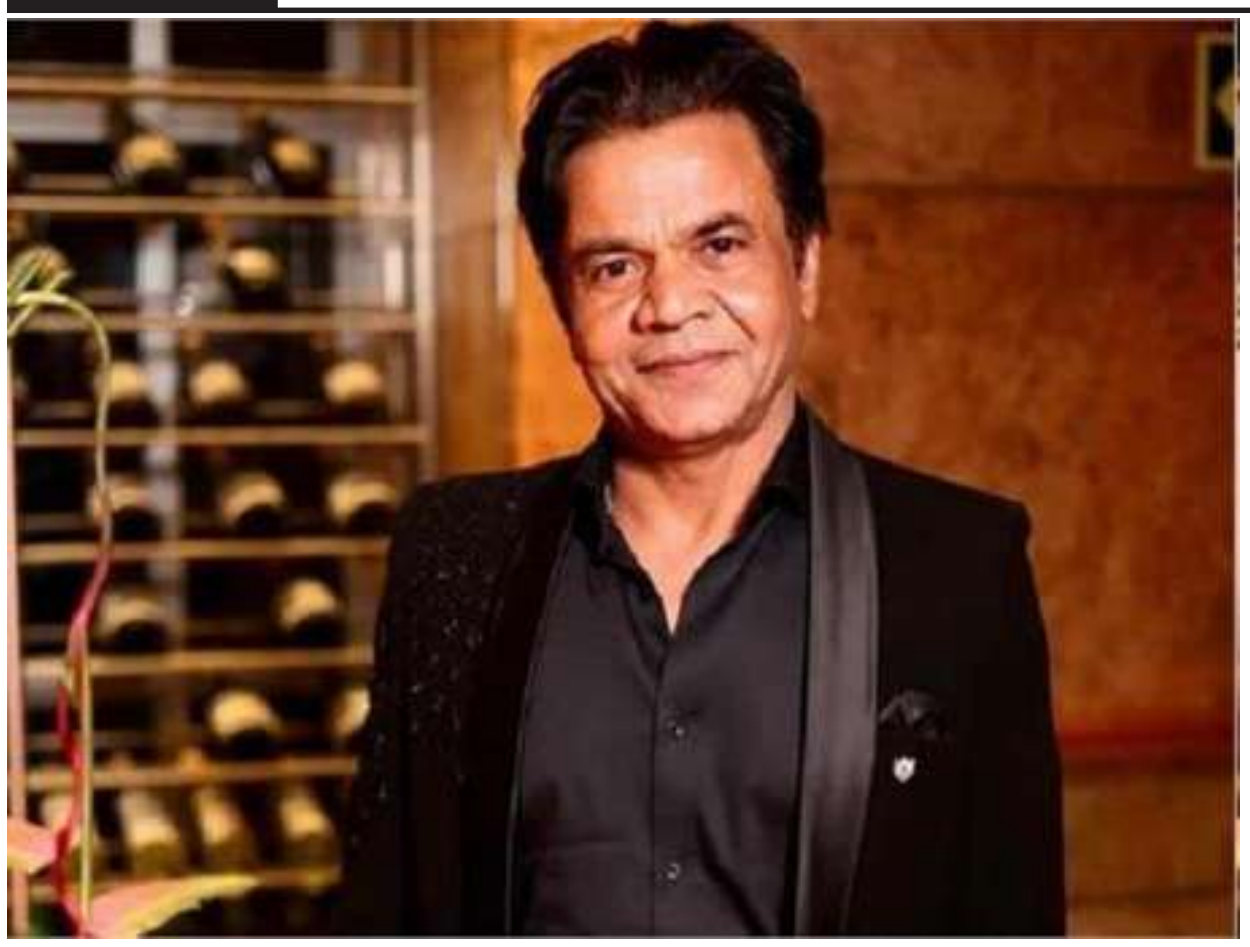

मुसीबत के समय मदद करने वालों का एक-एक रुपया लौटाएंगे राजपाल यादव, कहा-पूरी जिंदगी कर्ज चुकाने की कोशिश करूंगा

एक्टर राजपाल यादव पिछले दिनों 9 करोड़ रुपये के चेक बाउंस मामले में बुरी तरह फंसे थे। इस मामले में उन्हें तिहाड़ जेल में सरेंडर करना पड़ा था। राजपाल के मुसीबत के समय में फिल्म इंडस्ट्री से कई सेलेब्स उनकी फाइनेंशियल मदद के लिए आगे आए थे। वहीं, अब अंतरिम जमानत पर रिहा एक्टर ने उनकी आर्थिक मदद करने वाले सेलेब्स का दिल से शुक्रिया अदा किया। हाल ही में कर्ली टेल्स के साथ बातचीत में राजपाल ने कहा कि यह पूरे देश से मिली थी. उन्होंने कहा, हां, सच में, पूरा देश, पूरी दुनिया, मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे, चर्च, बच्चे, बड़े, जवान, संत... ऐसा लग रहा था जैसे मेरे लिए आशीर्वाद की बारिश हो रही हो, बिल्कुल फिफा वर्ल्ड कप की तरह। उन्होंने आगे कहा, यह सारा प्यारकृहमेशा बना रहे। मैं अपनी पूरी जिंदगी इस कर्ज को चुकाने की कोशिश करूंगा। कभी आंखों के लिए अंजन बनकर, कभी दांतों के लिए मंजन बनकर और कभी जिंदगी में संतुलन लाने के लिए मनोरंजन बनकर, मैं अपना फर्ज निभाने की कोशिश करूंगा।एक्टर ने खुलासा किया कि वह अपने वेल विशर्स से मिली आर्थिक मदद को लौटाने के लिए कदम उठा रहे हैं। हमने अपनी टीम से कहा है कि वे बैंक के पूरे स्टेटमेंट निकालें, 1 रुपये से लेकर 1 करोड़ रुपये तक जिसने भी मदद की है, और हर एक डिटेल को मैच करें। प्यार और हमदर्दी ही वह वजह है जिससे हम जिंदा हैं, लेकिन मैं इसे पूरे सम्मान के साथ लौटाने की कोशिश करूंगा। मैं कुल रकम भी सबके सामने बताऊंगा। उन्होंने कहा, चाहे मेरे भाई सोनू हों, तेज प्रताप जी, इंद्रजीत राव जी, या फिर वे बच्चे जिन्होंने अपनी गुल्लकें तोड़ दीं उनकी जिंदगी हमेशा खुशहाल रहे। उन्होंने मेरी दुनिया को फिर से बसाने की कोशिश की। बता दें, चेक बाउंस मामले में जेल जाने के दौरान राजपाल यादव की मदद के लिए सोनू सूद, सलमान खान, वरुण धवन और अजय देवगन जैसे स्टार्स आगे थे। हालांकि, राजपाल ने ज्यादातर लोगों के नाम बताने से मना किया है।

दो साल से इस रेयर बीमारी से जूझ रही हैं अलाक याग्निक, बताया- नहीं ले पा रहीं नए सिंगिंग असाइनमेंट

फेमस प्लेबैक सिंगर अलका याग्निक ने साल 2024 में खुलासा किया था कि वह हियरिंग की एक रेयर बीमारी से जूझ रही हैं। यह एक ऐसी बीमारी है, जिसमें उन्हें सुनने में दिक्कत होती है। वहीं, अब हाल ही में अलका ने अपनी इस रेयर बीमारी के बारे में खुलकर बात की और इससे सामने आने वाली परेशानियों के बारे में भी बताया हाल ही में एक बातचीत में अलका यागनिक ने अपनी बीमारी के बारे में बात की और बताया कि वो अभी भी उस बीमारी से जूझ रही हैं। उन्होंने कहा इसकी वजह से अब वे सिंगिंग असाइनमेंट भी नहीं ले पा रही हैं। हाल ही में भारत के तीसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान से सम्मानित किए जाने पर सिंगर ने कहा, "मेरी बेटी ने मुझे बताया। यह सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई। मैं भारत सरकार का शुक्रिया अदा करना चाहूंगी कि उन्होंने मुझे इस सम्मान के लिए चुना।"बता दें, अलका याग्निक ने साल 2024 में अपनी हियरिंग की समस्या का खुलासा करते हुए इंस्टाग्राम पर बड़ा पोस्ट शेयर किया था। उन्होंनने बताया था कि वह एक रेयर सेंसरी न्यूरल नर्व हियरिंग लॉस (सुनने की शक्ति में कमी) से जूझ रही हैं, जो एक वायरल इंफेक्शन के कारण हुई थी। इसके साथ ही उन्होंने उन्हें अपनी प्रार्थनाओं में याद रखने की गुजारिश की थी। अपनी बीमारी के बारे में खुलासा करने के बाद अलका ने गाने के कोई नए प्रोजेक्ट नहीं लिए हैं। उन्होंने कहा था, "कंपोजर कभी–कभार मेरे पास आते रहते हैं, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर पा रही हूं। बता दें, अलका याग्निकका आखिरी रिकॉर्ड किया गया गाना अमर सिंह चमकीला का नरम कालजा था, जिसे इम्तियाज अली ने निर्देशित किया था और ए.आर. रहमान ने संगीत दिया था।

55 की उम्र में खुलकर सफेद बाल फ्लॉन्ट करने पर बोलीं मनीषा कोइराला-असली रूप में रहना ज्यादा अच्छा लगता है

एक्ट्रेस मनीषा कोइराला अपने जमाने की खूबसूरत एक्ट्रेसेस में से एक हैं। हालांकि, अब वह बढ़ती उम्र के साथ अपनी नेचुरैलिटी को खुलकर अपना रही हैं। 55 साल की उम्र में मनीषा अपने सफेद होते बालों को खुलकर फ्लॉन्ट कर रही हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने अपने सफेद बालों के साथ फोटोशूट भी करवाया था, जिसकी तस्वीरों ने खूब चर्चा बटोरी थी। वहीं, अब हाल ही में उन्होंने अपने सफेद बालों को कलर न करने पर अपनी प्रतिक्रिया दी। हाल ही में मीडिया के साथ बातचीत में मनीषा कोइराला ने कहा कि अब वह किसी तय खूबसूरती के दायरे में फिट होने की कोशिश नहीं कर रहीं। उनके लिए ये बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि धीरे–धीरे उनके अंदर एक सोच विकसित होती गई। उन्होंने कहा कि अब उन्हें अपने असली रूप में रहना ज्यादा अच्छा लगता है और यही उन्हें सुकून देता है। मनीषा का मानना है कि खूबसूरती का दायरा बढ़ना चाहिए, सिमटना नहीं। उन्होंने कहा– मुझे उम्मीद है कि यह लोगों को याद दिलाएगा कि उम्र के साथ–साथ ग्रेस और मजबूती और गहरी होती जाती है। हां, दबाव तो होता है, लेकिन मैंने उसके साथ समझौता कर लिया है। जो चीज मेरे लिए बनी है, वह मुझे मिल ही जाएगी और मैं गलत वजहों से लोगों की स्वीकार्यता पाने के बजाय असली बने रहना ज्यादा पसंद करूंगी। इससे पहले ईद के मौके पर अपनी तस्वीर शेयर कर मनीषा ने लिखा था–कुछ दिन ऐसे होते हैं जब चमकने के लिए किसी वजह की जरूरत नहीं होती। बस अपनी पसंदीदा ज्वेलरी और एक खुश दिल ही काफी होता है। मनीषा कोइराला ने साल 1991 में हिंदी फिल्म्म सौदागर से हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया था। आखिर में उन्होंने कहा कि उनकी यह सोच निजी जिंदगी की चुनौतियों से बहुत ज्यादा प्रभावित है। बीते कुछ साल में ओवेरियन कैंसर के साथ उनकी लड़ाई भी शामिल है। पहले, यह बाहरी चीजों से जुड़ा था। अब यह पूरी तरह से अंदरूनी और निजी है। यह शांति, मजबूती और दयालुता के बारे में है। मेरे लिए यही असली खूबसूरती है।

क्या अप्रैल फूल बना रही हैं पूनम पांडे? बेबी बंप की तस्वीरें शेयर कर एक्ट्रेस ने दिया झटका

एक्ट्रेस पूनम पांडे ने अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा करके एक बार फिर इंटरनेट पर लोगों को हैरान कर दिया है। कई नेटिजन्स का मानना घ्ह्है कि यह सिर्फ पब्लिसिटी पाने का एक स्टंट हो सकता है। पूनम ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर अपनी दो तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में वह अपनी टी–शर्ट ऊपर करके अपना बेबी बंप दिखा रही हैं, जबकि दूसरी तस्वीर में उन्होंने टी–शर्ट नीचे कर रखी है, लेकिन फिर भी कैमरे के सामने उनका बेबी बंप साफ नजर आ रहा है। कैप्शन में उन्होंने बस एक प्रेग्नेंट महिला, एक दूध की बोतल और एक बच्चे का इमोजी लगाया है। हालांकि न्यूज एजेंसी के करीबी सूत्रों ने बताया है कि यह अप्रैल फूल का मजाक हो सकता है। नेटिजन्स को भी यह स्टंट सच नहीं लग रहा है, क्योंकि कई लोगों का दावा है कि यह एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से बनाई गई तस्वीर है। ऐसा इसलिए है क्योंकि 2024 में, 1 फरवरी को उनके ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से उनकी टीम ने दावा किया था कि सर्वाइकल कैंसर की वजह से उनकी मौत हो गई है। इसके अगले ही दिन, 2 फरवरी 2024 को, पूनम ने बताया कि यह सिर्फ पब्लिसिटी पाने का एक स्टंट था, जो एक अच्छे मकसद के लिए किया गया था। इसका मकसद इस बीमारी के बारे में लोगों में जागरूकता फैलाना था, जिस पर काफी विवाद भी हुआ था। पूनम को सोशल मीडिया अकाउंट्स, खासकर ट्विटर के जरिए काफी शोहरत मिली, जब उन्होंने अपनी सेमी–न्यूड (अर्धनग्न) तस्वीरें पोस्ट करना शुरू किया। मीडिया की सुर्खियों में वह तब आईं जब उन्होंने वादा किया था कि अगर भारतीय क्रिकेट टीम 2011 का क्रिकेट वर्ल्ड कप जीत जाती है, तो वह टीम के लिए कपड़े उतार देंगी। 2017 में, पूनम पांडे ने ष्पांडे ऐपष नाम से एक मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च किया था, जिसमें एडल्ट कंटेंट (वयस्कों के लिए सामग्री) दिखाया जाता था। 2020 में उन्होंने अपने लंबे समय के बॉयफ्रेंड सैम अहमद बॉम्बे से शादी कर ली। कोविड–19 महामारी की वजह से उनकी शादी बहुत ही निजी तरीके से हुई थी। बाद में उन्होंने सैम के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि सैम ने उनके साथ छेड़छाड़ की, उन्हें जान से मारने की धमकी दी और उनके साथ मारपीट भी की। पूनम को आखिरी बार लॉक अपरू बदमाश जेल, अत्याचारी खेल में देखा गया था।

गोल्डन टेंपल के दर्शन करके भावुक हुई प्रियंका चोपड़ा

इन दिनों देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड गलियारों को छोड़कर अमृतसर की गलियों में नजर आ रही हैं। मंगलवार को वह गोल्डन टेंपल भी दर्शन करने पहुंची थीं। मंदिर के दर्शन करने के बाद प्रियंका ने वहां पर सेवा भी की। बुधवार को अपनी गोल्डन टेंपल की यात्रा से जुड़ी कुछ खास तस्वीरें प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इस पावन स्थान पर पहुंचकर उन्हें अपने दिवंगत पिता की भी बहुत याद आई। अपनी पोस्ट में प्रियंका ने अपने पिता को भी याद किया है। गोल्डन टेंपल के सामने खड़े होकर प्रियंका चोपड़ा ने कई तस्वीरें ली हैं। साथ ही एक तस्वीर के साथ कैप्शन लिखा, 'पापा आपके बारे में ही सोच रही हूं।' आगे वह गुरुद्वारा कमेटी का भी आभार व्यक्त करती हैं। प्रियंका चोपड़ा ने बहुत ही सहजता से गोल्डन टेंपल के दर्शन किए थे। प्रियंका चोपड़ा ने गोल्डन टेंपल के अंदर की भी कई तस्वीरें साझा की हैं। वह सिंपल सूट–सलवार में स्वर्ग मंदिर के गलियारे में नजर आ रही हैं। सोने से जड़े हुए मंदिर की भी अलग–अलग जगह से तस्वीरें एक्ट्रेस ने पोस्ट की हैं। साथ ही एक बुजुर्ग निहंग सिख की फोटो भी प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट पर शेयर की है। इन दिनों प्रियंका चोपड़ा भारत तभी आती हैं, जब उनकी फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग होती है। इस फिल्म को एसएस राजामौली बना रहे हैं। शूटिंग शुरू होने से पहले प्रियंका ने अमृतसर आकर गोल्डन टेंपल के दर्शन कर लिए। बता दें कि उनका परिवार पंजाब से ही बिलॉन्ग करता है।

इन बीमारियों को कहना है अलविदा तो खाली पेट पिएं बेल का शर्बत

गर्मियों के मौसम की शुरुआत हो चुकी है। इस मौसम में डिहाइड्रेशन, अपच और एसिडिटी जैसी परेशानियां आम हैं। ऐसे में इस दौरान शरीर को स्वस्थ रखने के लिए अच्छी डाइट बेहद जरुरी है। डाइट की बात करें तो पोषक तत्वों से भरपूर बेल के जूस का आप सेवन कर सकते हैं। इसमें प्रोटीन, विटामिन्स, मिनरल्स काफी अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। बेल में डाइटरी फाइबर भी पाया जाता है जो पेट के लिए बेहद ही फायदेमंद माना जाता है। वैसे तो आप इसका सेवन कभी भी कर सकते हैं, लेकिन खाली पेट बेल का शर्बत पीना काफी लाभकरी माना है। तो चलिए आपको बताते हैं खाली पेट इसका सेवन करने के फायदे...

कंट्रोल में रहेगा शुगर लेवल

खाली पेट बेल का शरबत डायबिटीज रोगियों के लिए बेहत फायदेमंद रहेगा। इसमें मौजूद डाइटरी फाइबर ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद करता है। इसके अलावा बेल पैनक्रियाज को भी सही रखने में सहायता करता है जिससे इंसुलिन का उत्पादन अच्छे से हो पाता है। इसके अलावा बेल का शरबत पीने से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल रहता है। लेकिन डायबिटीज रोगियों को बेल के शुगर में चीनी का

इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

डिटॉक्स होगी बॉडी

बेल का शर्बत पीने से बॉडी भी डिटॉक्स होती है। बेल ब्लड शोधक के रुप में कार्य करता है ऐस में यदि खाली पेट इसका सेवन किया जाए तो शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं। बेल को एक नैचुरल डिटॉक्सीफाइंग एजेंट माना जाता है ऐसे में इसका सेवन करने से किडनी

और लिवर को भी ठंडक मिलती है

डायरिया से बचाव

सुबह खाली पेट बेल का शर्बत पीने से डायरिया से भी बचाव रहता है। यह डायरिया को कम करने में सहायता करता है। इसमें टैनिन और शिगेलोसिस मौजूद होता है जो इंफेक्शन से लड़ने में सहायता करता है। दस्त या डायरिया से बचने के लिए सुबह खाली पेट शर्बत का पीने काफी लाभकारी साबित होगा।

पाचन सुधरेगा

बेल में एंटीबैक्टीरियल, एंटीफंग्ल गुण पाए जाते हैं इसके अलावा इसमें मौजूद फाइबर भी शरीर भी कई समस्या से दूर करने में मदद करता है। सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से पाचन से जुड़ी समस्याओं से आराम मिलेगा। इसके अलावा गैस, एसिडिटी और अपच से भी राहत मिलती है। बेल के शर्बत में रेचक नामक गुण पाए जाते हैं जो कब्ज से बचाव करने में मदद करते हैं। इसके अलावा इसका सेवन करने से गैस्ट्रिक अल्सर के लक्षण भी कम होते हैं।

इम्यूनिटी मजबूत

बेल में विटामिन–सी और एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं। ऐसे में यदि आप सुबह खाली पेट बेल का शर्बत पीते हैं तो आपकी इम्यूनिटी बूस्ट होगी। इसके अलावा मौसमी बीमारियों से भी बचाव होगा। बैक्टीरिया और वायरस के कारण होने वाली परेशानियों से भी बचाव रहेगा।

अमृत समान है लहसुन का पानी! रोज सुबह पीने से मिलते हैं कमाल के फायदे

लहसुन अपने औषधीय गुणों के लिए सदियों से जाना जाता है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि लहसुन का पानी भी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। आयुर्वेद में लहसुन को एक शक्तिशाली औषधि माना गया है और जब इसे सुबह खाली पेट पानी के साथ लिया जाता है, तो यह शरीर को अंदर से मजबूत बनाता है। लहसुन में मौजूद एलिसिन इसे एंटी–बैक्टीरियल और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर बनाता है, जो कई बीमारियों से बचाने में मदद करता है। लहसुन का पानी पीने के जबरदस्त फायदे।

दिल को रखे स्वस्थ

लहसुन का पानी खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है। यह ब्लड सर्कुलेशन बेहतर करता है और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखता है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है।

इम्युनिटी बढ़ाए

अगर आप जल्दी–जल्दी बीमार पड़ते हैं, तो यह आपके लिए वरदान है। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और सर्दी–खांसी जैसी समस्याओं से बचाता है।

वजन घटाने में मददगार

लहसुन का पानी मेटाबॉलिज्म को तेज करता है, जिससे शरीर में जमा अतिरिक्त फैट तेजी से बर्न होता है। साथ ही यह पाचन तंत्र को भी मजबूत बनाता है।

शरीर को करे डिटॉक्स

यह एक नेचुरल डिटॉक्स ड्रिंक की तरह काम करता है, जो शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालकर लिवर और किडनी को साफ रखने में मदद करता है।

त्वचा को बनाए ग्लोइंग

एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होने के कारण यह खून को साफ करता है, जिससे पिंपल्स कम होते हैं और त्वचा पर नेचुरल ग्लो आता है।

किन लोगों को लहसुन का पानी नहीं पीना चाहिए?

लहसुन का पानी फायदेमंद जरूर है, लेकिन हर किसी के लिए सही नहीं होता। कुछ लोगों को इसका सेवन करने से बचना चाहिए।

लो ब्लड प्रेशर वाले लोग लहसुन ब्लड प्रेशर को कम करता है, इसलिए जिन लोगों का बीपी पहले से लो रहता है, उन्हें इसे लेने से चक्कर या कमजोरी हो सकती है।

पेट की समस्या वाले लोगः अगर आपको एसिडिटी, गैस या जलन की समस्या रहती है, तो लहसुन का पानी इसे और बढ़ा सकता है।

सर्जरी होने वाली होः अगर आपकी कोई सर्जरी होने वाली है, तो लहसुन का सेवन बंद कर दें क्योंकि यह खून को पतला करता है और ब्लीडिंग का खतरा बढ़ा सकता है।

खून पतला करने वाली दवा लेने वालेः जो लोग ब्लड थिनर दवाएं लेते हैं, उन्हें लहसुन का पानी लेने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए।

गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाएंः ऐसी महिलाओं को इसका सेवन सीमित मात्रा में या डॉक्टर की सलाह से ही करना चाहिए।

एलर्जी वाले लोगरू कुछ लोगों को लहसुन से एलर्जी हो सकती है, जिससे स्किन रैश, खुजली या सांस लेने में दिक्कत हो सकती है।

ध्यान रखने वाली बातें

इसे हमेशा सुबह खाली पेट ही पिएं

अधिक मात्रा में सेवन न करें

अगर कोई गंभीर बीमारी है, तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

घरेलू नुस्खे बिगाड़ ने दें आपके चेहरे की सुंदरता, किचन में रखी ये चीजें भूलकर भी न करें इस्तेमाल

भारतीय किचन में ऐसी कई चीजें मौजूद होती हैं जो हमारी स्किन को हेल्दी बनाए रखने और खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती हैं। लेकिन किचन में रखे किसी भी सामान के उपयोग से पहले आपको थोड़ा सोचने की जरूरत है। खूबसूरती के चक्कर में कई बार ऐसी चीजों का इस्तेमाल किया जाता है, जो हमारी स्किन के लिए सही नहीं होता है। किचन में मौजूद हर सामान का अपना अलग उपयोग होता है। कुछ चीज का इस्तेमाल आपका निखार बढ़ाने का काम करता है तो वहीं कुछ चीजें आपकी खूबसूरती को बिगाड़ भी सकती हैं। ऐसे में यह जानना काफी जरूरी हो जाता है कि किचन में रखा कौन सा सामान आप फेस पर इस्तेमाल कर सकते हैं और किस सामान को चेहरे पर यूज नहीं किया जाना चाहिए। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको किचन में पाई जाने वाली कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनका भूलकर भी फेस पर इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

आटा

हमारे किचन में कई तरह के आटे पाए जाते हैं। फिर चाहे वह गेंहू, चावल या बेसन का आटा हो। हालांकि इन आटे का फेस पर अलग अलग तरह से इस्तेमाल किया जा सकता है। लेकिन मैदे या रवे का चेहरे पर भूलकर भी इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसी लिस्ट में कॉर्न फ्लोर का नाम भी शामिल है। आटों से जुड़ा कोई नया प्रयोग करने से पहले आपको उसे त्वचा के छोटे से हिस्से पर लगाकर जरूर आजमाना चाहिए।

मसाले

किचन में कई तरह के मसाले होते हैं जो खाने के स्वाद को बढ़ाने का काम करते हैं। लेकिन सभी मसालों का फेस पर यूज नहीं किया जा सकता है। इन मसालों में जहां हल्दी चेहरे पर इस्तेमाल की जाती है तो वहीं धनिया और मिर्च जैसे मसालों से दूरी बनाकर चलनी चाहिए।

विनेगर

विटामिन सी से भरपूर फल चेहरे ग्लोइंग बनाने का काम करते हैं। हालांकि खटास में विनेगर का भी कोई तोड़ नहीं है। एप्पल साइडर विनेगर तो फायदों से लबरेज है। लेकिन स्किन पर इसका इस्तेमाल किया जाना अलग असर दे सकता है। वहीं सेंसिटिव स्किन वाले लोगों को काफी सोच–समझकर विनेगर का यूज करना चाहिए।

बेकिंग सोडा

कई बार फेस पैक या होम मेड स्क्रब में हम कुछ नई चीजें भी ऐड कर देते हैं। लेकिन इसमें बेकिंग सोडा मिलाने की गलती कतई नहीं करनी चाहिए। बेकिंग सोडा के इस्तेमाल से आपकी त्वचा पर डार्क पैचेज बन जाते हैं। इसके अलावा रैशेज की समस्या भी हो सकती है। इसलिए बेकिंग सोडा से जुड़ा कोई नया नुस्खा अपनाने से पहले सौ बार जरूर सोचें।

तेल

स्किन पर अलग–अलग तेलों का अलग–अलग असर होता है। लेकिन सिर्फ त्वचा को नमी और पोषण लॉक देने के लिए आंख बंदकर किसी भी तेल का उपयोग करने से बचना चाहिए। तेल लगाने से पहले हाथ पर उसको लगाकर चेक कर लें। चेक करने के बाद ही किसी ऑइल को फेस पर अप्लाई करें।

गर्मी में पसीने की बदबू से परेशान तो अपनाएं ये आसान टिप्स, तुरंत मिलेगी राहत

गर्मी के मौसम में पसीना आना आम बात है, लेकिन इससे आने वाली बदबू कई बार परेशानी का कारण बन जाती है। दरअसल, पसीना खुद बदबूदार नहीं होता, बल्कि जब त्वचा पर मौजूद बैक्टीरिया इसके संपर्क में आते हैं, तब दुर्गंध पैदा होती है। इसके अलावा शरीर में पानी की कमी, साफ–सफाई की अनदेखी, गलत कपड़े पहनना और हार्मोनल बदलाव भी इस समस्या को बढ़ा सकते हैं। ऐसे में कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है।

पसीने की बदबू दूर करने के आसान उपाय

सेंधा नमक से नहाएं

नहाने के पानी में थोड़ा सा सेंधा नमक मिलाकर स्नान करें। यह बैक्टीरिया को कम करता है और त्वचा को साफ रखने में मदद करता है। साथ ही दाने और हल्की सूजन भी कम होती है।

फिटकरी का इस्तेमाल करें

फिटकरी एक असरदार घरेलू उपाय है। इसे पानी में मिलाकर नहाने से या हल्की गीली फिटकरी को बगल में लगाने से पसीने की बदबू कम होती है और बैक्टीरिया पनपने से रुकते हैं।

नींबू और बेकिंग सोडा

नहाने के बाद एक मग पानी में नींबू का रस और चुटकी भर बेकिंग सोडा मिलाकर शरीर पर डालें। इससे त्वचा फ्रेश रहती है और बदबू कम होती है।

नीलगिरी तेल का उपयोग

नीलगिरी तेल में एंटी–बैक्टीरियल गुण होते हैं। नहाने के पानी में इसकी कुछ बूंदें मिलाने से शरीर में ताजगी बनी रहती है और दुर्गंध दूर होती है।

सही कपड़े पहनें

गर्मी में कॉटन, लिनन, खादी और रेयॉन जैसे कपड़े पहनें। ये पसीना सोख लेते हैं और त्वचा को सांस लेने देते हैं, जिससे बदबू कम होती है।

इन बातों का रखें खास ध्यान

दिनभर पर्याप्त पानी पिएं

विटामिन सी से भरपूर फल खाएं

रोजाना स्नान करें और शरीर को साफ रखें

कपड़ों को साफ और सैनिटाइज रखें

बगल और पैरों की सफाई पर विशेष ध्यान दें।

संक्षिप्त

भारतीय तेल बाजार पर अमेरिका का दबाव मंजूर नहीं, भारत की विदेश नीति स्वतंत्र रू रूसी राजदूत

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के तेल बाजार को लेकर अमेरिका के दबाव के आरोपों पर रूस ने कड़ा रुख अपनाया है। भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलिपोव ने कड़े शब्दों में कहा है कि उनका देश अंतरराष्ट्रीय राजनीति में किसी भी तरह के अमेरिकी दबाव को पूरी तरह खारिज करता है। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि नई दिल्ली अपनी स्वतंत्र विदेश नीति पर कायम है। डेनिस अलिपोव ने कहा कि अमेरिका की ओर से भारत के बाजार में रूस के लिए बाधाएं खड़ी करने की कोशिशें वैश्विक व्यापार और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिहाज से बिल्कुल सही नहीं हैं। जब अलिपोव से पूछा गया कि क्या टैरिफ विवाद के बीच भारत रूसी तेल का आयात कम कर रहा है, तो उन्होंने कहा, ष्मैं अमेरिका–भारत व्यापार पर टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं हूं। लेकिन हम वैश्विक राजनीति में किसी भी तरह के दबाव को सख्ती से खारिज करते हैं। यह व्यापार करने का सही तरीका नहीं है।

उन्होंने आगे कहा, हम साफ तौर पर देख रहे हैं कि अमेरिका भारत के बाजार में रूस के लिए बाधाएं खड़ी करने की कोशिश कर रहा है। यह अंतरराष्ट्रीय संबंधों और व्यापार के लिए सही तरीका नहीं है। हम भारतीय तेल बाजार पर अमेरिकी दबाव को खारिज करते हैं। भारत एक स्वतंत्र विदेश नीति का पालन करता है और हम ऐसे दबाव नहीं मानने के उनके रुख का स्वागत करते हैं। रूस के राजदूत ने यह भी कहा कि मॉस्को और नई दिल्ली के बीच संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं, खासकर ऊर्जा क्षेत्र में। उन्होंने कहा कि हाल के समय में भारत ने रूस से तेल आयात काफी बढ़ा दिया है।डेनिस अलिपोव ने कहा, ष्हम दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक संबंधों का विस्तार कर रहे हैं। हाल ही में भारत को रूस से तेल की आपूर्ति में काफी बढ़ोतरी हुई है। हम इस दिशा में लगातार आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे दोनों देशों को लाभ हो। पश्चिम एशिया में जारी घटनाक्रम का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में ऊर्जा बाजार में भारी उतार–चढ़ाव देखा जा रहा है। उन्होंने इसे अमेरिकी ऑयल डिसरप्शन डिप्लोमेसीश का परिणाम बताया। उन्होंने कहा, ष्मध्य पूर्व की परिस्थितियों के बीच ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बढ़ी है। लेकिन रूस और भारत के बीच व्यापार, खासकर तेल के क्षेत्र में, तेजी से आगे बढ़ रहा है और हम इसे जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संभावित रूस यात्रा को लेकर अलिपोव ने कहा कि मॉस्को इस साल उनकी यात्रा का दिल से स्वागत करेगा। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीच हर साल शिखर बैठक का एक तंत्र है और पिछले साल दिसंबर में रूसी राष्ट्रपति ने भारत का दौरा किया था।

जेट फ्यूल की कीमतें बढ़ने से एविएशन सेक्टर को राहत, एयरलाइंस ने सरकार के फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली,एजेंसी। एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी जहाजों के ईंधन की कीमतों में केवल आंशिक बढ़ोतरी की अनुमति देने के सरकार के फैसले का विमानन कंपनियों ने स्वागत किया है। एयरलाइंस का कहना है कि इस कदम से हवाई किराए में स्थिरता बनी रहेगी और बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच यात्रियों और कंपनियों दोनों को राहत मिलेगी। इंडिगो की पैरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने एक बयान में प्रधानमंत्री, नागरिक उड्डयन मंत्रालय और पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय का आभार जताते हुए कहा कि यह फैसला एयरलाइंस के लिए स्थिरता सुनिश्चित करेगा और यात्रियों को सस्ती व सुलभ यात्रा का लाभ देने में मदद करेगा। स्पाइसजेट के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अजय सिंह ने भी इसे विमानन उद्योग के लिए बड़ी राहत बताया। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के इस दौर में एटीएफ कीमतों में नियंत्रित बढ़ोतरी एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे एयरलाइंस पर लागत का दबाव कम होगा। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने भी इस फैसले को समयानुकूल बताते हुए कहा कि वैश्विक ऊर्जा संकट और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के कारण ।ज्थ कीमतों में 100: से अधिक वृद्धि की आशंका थी। ऐसे में पेट्रोलियम मंत्रालय और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के समन्वय से सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने घरेलू उड़ानों के लिए केवल 25प्रतिशत (करीब 15 रुपये प्रति लीटर) की चरणबद्ध बढ़ोतरी लागू की है, जबकि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पूरी बाजार आधारित कीमत लागू रहेगी। 1 अप्रैल 2026 से लागू नई दरों के अनुसार, दिल्ली में ।ज्थ की कीमत 96,638.14 रुपये से बढ़कर 1,04,927 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। कोलकाता में यह 99,587.14 रुपये से बढ़कर 1,09,450 रुपये, मुंबई में 90,451.87 रुपये से बढ़कर 98,247 रुपये और चेन्नई में 1,00,280.49 रुपये से बढ़कर 1,09,873 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है।

आईपीएल से आधी रकम में पीएसएल में खेल रहे एडम जैम्पा से बुलवाया– भारतीय लीग में नहीं मिलते पैसे

करांची,एजेंसी। आईपीएल की कामयाबी से जल रहे पाकिस्तान अब बेशर्मी की हद पार करने पर उतर आया है। जलन के मारे पाकिस्तान अब अपनी लीग के प्रमोशन के लिए नए हथकंडे अपना रहा है। इसी प्रोपेगेंडा के तहत पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जैम्पा से बेतुका बयान दिलवाया है। जैम्पा ने एक पाकिस्तानी न्यूज चौनल को दिए इंटरव्यू में कहा है कि भारत में प्रतिभा के मुताबिक पैसे नहीं मिलते हैं। दरअसल, पीएसएल आजकल गलत कारणों से सुर्खियों में है। पहले विदेशी खिलाड़ियों ने निजी कारणों से लीग में खेलने से मना कर दिया। फिर कुछ विदेशी खिलाड़ी जो वहां पहुंचे थे, उन्होंने बीच में ही टूर्नामेंट छोड़ दिया और आईपीएल से जुड़ गए। फिर कमेंटेटर निक नाइट भी आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट मिलने के बाद पीएसएल से किनारा कर लिया। साथ ही पीएसएल में बॉल टेम्परिंग समेत कई विवाद सामने आए। इस साल पीएसएल बंद दरवाजों के पीछे खेला जा रहा है। ऐसे में लीग को फायदे से ज्यादा नुकसान हो रहा है। तमाम विवादों के बाद पाकिस्तान ने अपनी लीग को बढ़ावा देने के लिए प्रोपेगेंडा अपनाया और आईपीएल को नीचा दिखाने की कोशिश की। हालांकि, वह अब इसमें भी कामयाब नहीं हो पाए हैं।

एडम जैम्पा ने जो बयान दिया है, उससे वह खुद ही विवादों में आ गए हैं। जैम्पा ने पाकिस्तानी न्यूज चौनल एआरवाई के पॉडकास्ट में कहा, श्मैंने इस साल आईपीएल से नाम वापस ले लिया। सच कहूं तो मेरी स्किल सेट वाले खिलाड़ी को वहां उतनी रकम नहीं मिलती, जितनी कुछ अन्य तरह के खिलाड़ियों को मिलती है। और आईपीएल जितना समय लेता है, उसे देखते हुए मेरे लिए इसे खेलना कोई समझदारी भरा फैसला नहीं लगा। जैम्पा इस बयान के बाद फंस गए हैं। पिछले साल सनराइजर्स हैदराबाद द्वारा रिलीज किए जाने के बाद जैम्पा ने आईपीएल के रजिस्टर नहीं करवाया। उन्होंने पीएसएल के लिए अपना नाम दिया था। उन्हें कराची किंग्स ने उनके बेस प्राइस 4.5 करोड़ पाकिस्तानी रुपये में साइन किया था। 4.5 करोड़ पाकिस्तानी रुपये यानी 1.51 करोड़ भारतीय रुपये। कराची किंग्स के कप्तान डेविड वॉर्नर हैं, जिन्हें लगातार आईपीएल की याद आ रही है और वह पीएसएल में होते हुए इंस्टाग्राम पर सनराइजर्स हैदराबाद और आईपीएल को लेकर पोस्ट भी कर रहे हैं। सिर्फ वॉर्नर नहीं, न्यूजीलैंड के डेवोन कॉनवे ने भी अपनी पुरानी आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स को लेकर पोस्ट किया है, लेकिन जैम्पा की सोच इसके उलट है। जैम्पा इसलिए फंस गए क्योंकि सनराइजर्स हैदराबाद में उनकी सैलरी 2.4 करोड़ भारतीय रुपये थी, जो कि पीएसएल में उन्हें मिल रही सैलरी से लगभग दोगुना है। इसके बावजूद उन्हें लग रहा है कि आईपीएल में उनके स्किल की कद्र नहीं हुई। ये 2.4 करोड़ रुपये उन्हें बेंच पर बैठने के मिले थे। वह आईपीएल 2025 में सिर्फ दो मैच खेल पाए थे और दो विकेट लिए थे। आईपीएल में सिर्फ चार विदेशी खिलाड़ियों को प्लेइंग–11 में खिलाया जा सकता है और तमाम टीमें एक रणनीति और कॉम्बिनेशन के तहत प्लेइंग–11 चुनती है। हर एक जगह के लिए आईपीएल में तगड़ा कॉम्पिटीशन है और हो सकता है जिस फ्रेंचाइजी में वो रहे, वहां वह कॉम्बिनेशन में न जंच रहे हों। इसका मतलब ये नहीं कि उनके स्किल की कद्र नहीं हो रही थी। जैम्पा के साथी और ऑस्ट्रेलिया के अन्य खिलाड़ी आईपीएल से मोटी रकम कमा रहे हैं। कैमरन ग्रीन को 25.20 करोड़ में खरीदा गया। पैट कमिंस सनराइजर्स के कप्तान हैं। मिचेल स्टार्क दिल्ली के अहम हिस्सा हैं। मार्कस स्टोइनिस लगातार आईपीएल में खेलते हैं। मैक्सवेल को खराब प्रदर्शन के बावजूद आईपीएल फ्रेंचाइजी ने लगातार अपनी टीमों से जोड़ा। कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को इस लीग ने पहचान दिलाई। खुद जैम्पा इस लीग से चमके, लेकिन अब वह बेतुका बयान देकर सवालों के घेरे में आ गए हैं। फैंस का कहना है कि ऐसा लग रहा है मानो उनसे पाकिस्तान ने जबरदस्ती ये बुलवाया हो।

जैम्पा 2016 से आईपीएल से जुड़े हुए हैं और 22 मैच खेल चुके हैं। उनके नाम इस लीग में 31 विकेट भी हैं। जैम्पा के नाम आईपीएल में एक रिकॉर्ड भी दर्ज है। वह आईपीएल इतिहास में एक स्पिनर द्वारा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े रखने वाले खिलाड़ी हैं और टूर्नामेंट में छह विकेट लेने वाले इकलौते स्पिनर भी हैं। उन्होंने ऐसा 2016 में राइजिंग पुणे सुपरजाएंट्स के लिए खेलते हुए सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ विशाखापत्तनम में किया था। उस मैच में उन्होंने 19 रन देकर छह विकेट लिए थे, जो कि उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन भी है। आईपीएल में उनका इकोनॉमी रेट 8.38 का है। जैम्पा आईपीएल 2024 में राजस्थान रॉयल्स द्वारा रिटेन किए गए थे। राजस्थान ने उन्हें 2023 के ऑक्शन में खरीदा था और वहां उनकी सैलरी 1. 5 करोड़ रुपये थी। आईपीएल 2022 में जैम्पा अनसोल्ड रहे थे। आईपीएल 2021 में वह रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु की टीम में शामिल थे और वहां उनकी सैलरी 1.50 करोड़ रुपये थी। ऐसे में बेतुका बयान देकर अब वह फैंस के निशाने पर आ चुके हैं। इतना ही नहीं, जैम्पा ने आईपीएल के दो महीने के टाइम टेबल पर भी सवाल उठाए, जबकि इस लीग की जबसे शुरुआत हुई है, हर बार लगभग इतना ही लंबा शेड्यूल रहा है। 10 टीमें आने के बाद कुछ मैच बढ़े हैं, लेकिन इसके लिए बीसीसीआई ने आईसीसी ने विशेष समय सीमा मांगी है। हालांकि, पाकिस्तान को इस दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग से टक्कर लेना था और अब पीएसएल को मुंह की खानी पड़ रही है। जैम्पा का कहना है कि वह पीएसएल में शानदार समय बिता रहे हैं। पॉडकास्ट के दौरान उन्होंने कहा, मैं इस बार ब्रेक लेने वाला था, लेकिन करीब एक महीने पहले पीएसएल मेरे रडार पर आया। सब कुछ बहुत जल्दी हुआ, लेकिन मैं इसे काफी एंजॉय कर रहा हूं। पीएसएल में जैम्पा का प्रदर्शन भी कुछ खास नहीं रहा है। दो मैचों में उन्होंने तीन विकेट लिए हैं। हालांकि, वह किफायती रहे हैं।

न्यूजीलैंड ने रचा इतिहास, चेज किया महिला वनडे का सबसे बड़ा लक्ष्य, कप्तान अमेलिया का नाबाद शतक

नई दिल्ली,एजेंसी न्यूजीलैंड महिला टीम ने इतिहास रच दिया है। कप्तान अमिलेया केर की विस्फोटक नाबाद शतकीय पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने महिला वनडे क्रिकेट का सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मामले में न्यूजीलैंड ने भारतीय टीम का रिकॉर्ड तोड़ा। बुधवार को न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच वेलिंगटन में वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला गया। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान लौरा वॉल्वर्ड्ट के 69, एनेके बॉश के 91, और कोले ट्रायन के 25 गेंदों पर बनाए 52 रन की मदद से 6 विकेट पर 346 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड को जीत के लिए इतिहास रचना था, क्योंकि महिला वनडे क्रिकेट में इतना बड़ा लक्ष्य पहले कभी हासिल नहीं हुआ था। न्यूजीलैंड ने कप्तान अमेलिया केर की शतकीय पारी के दम पर इतिहास रचा।

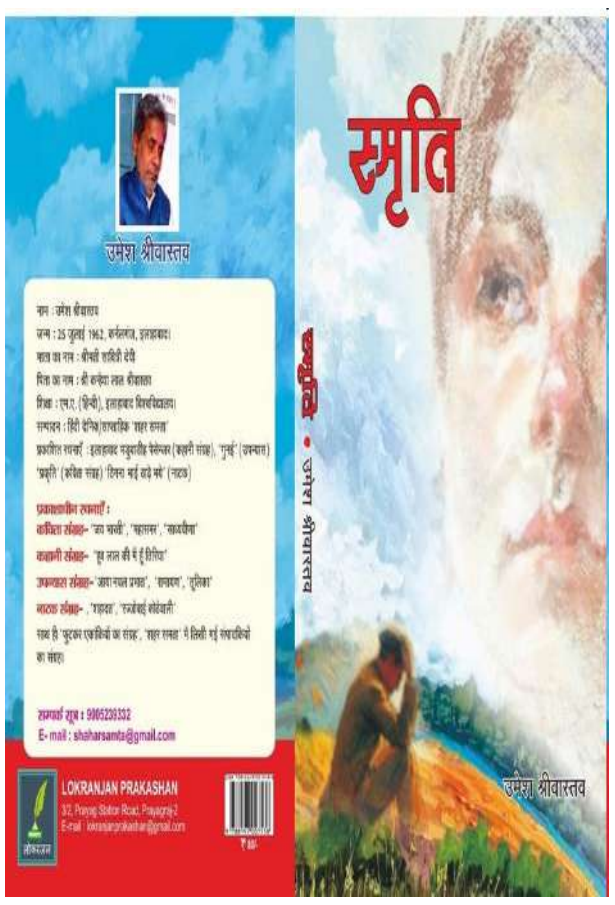

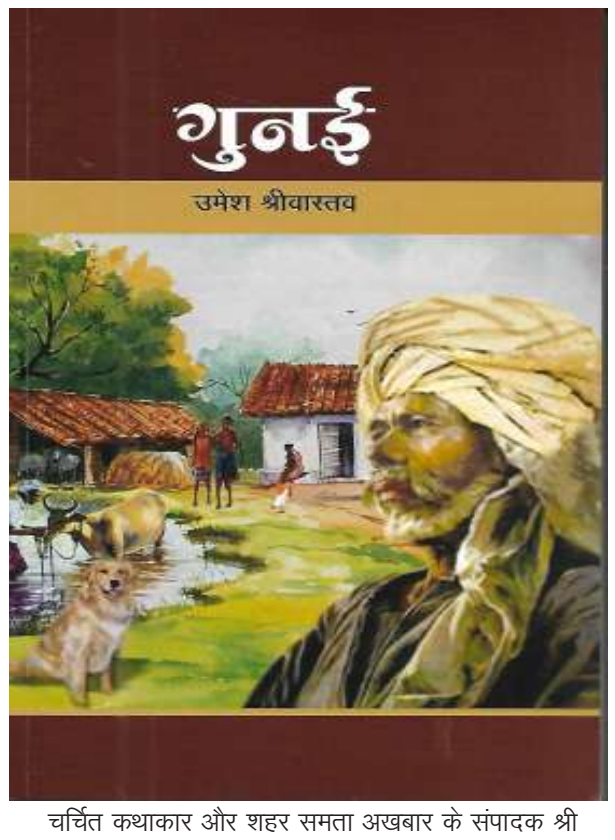

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

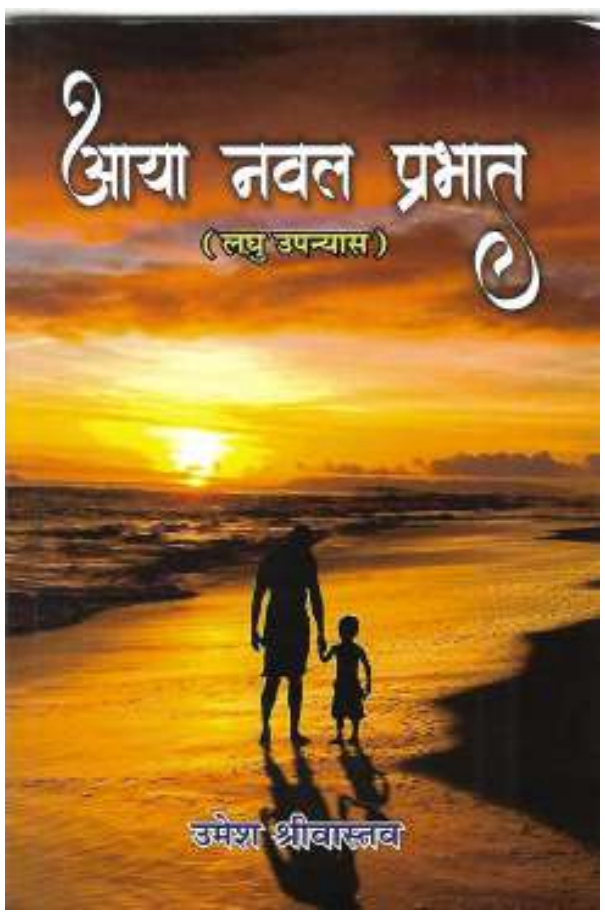

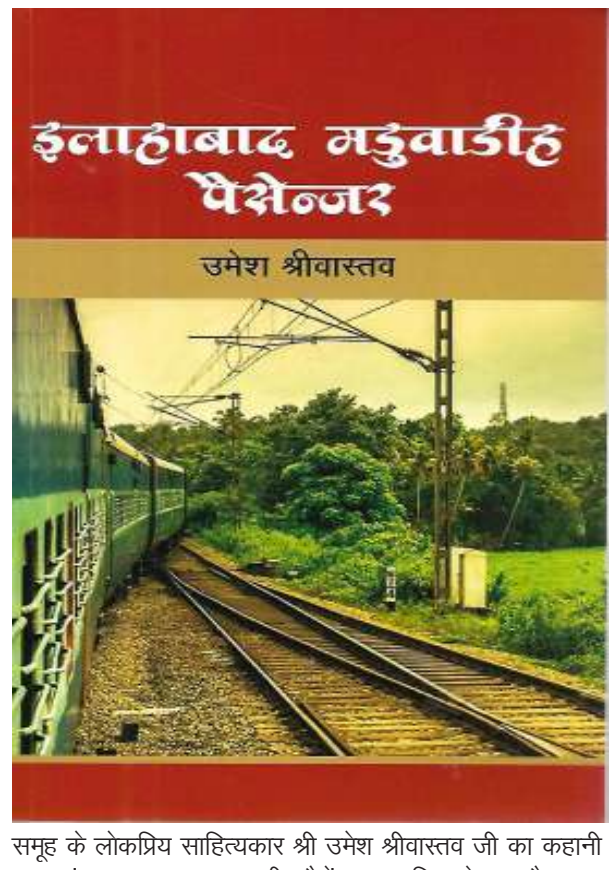

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

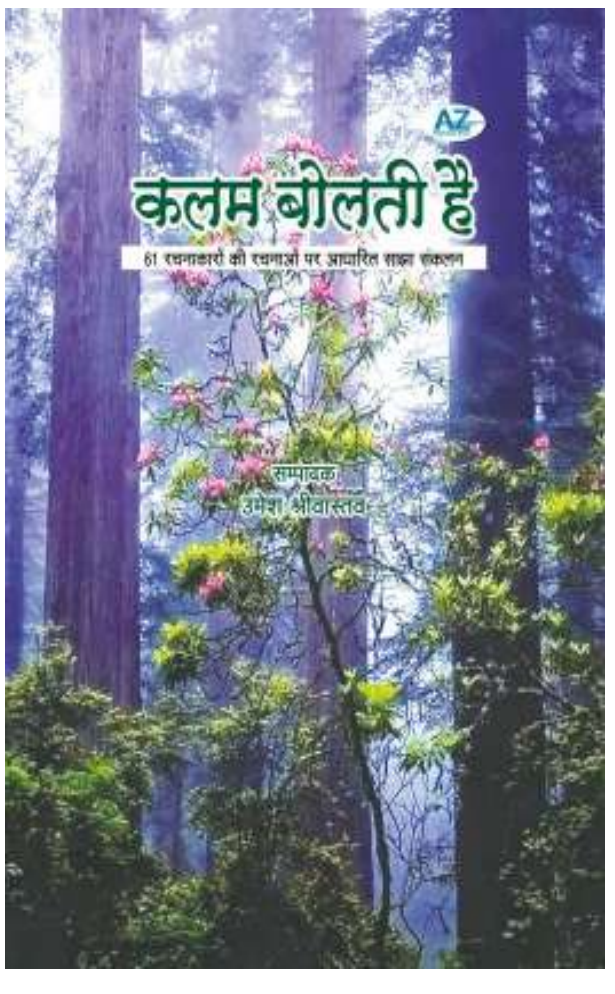

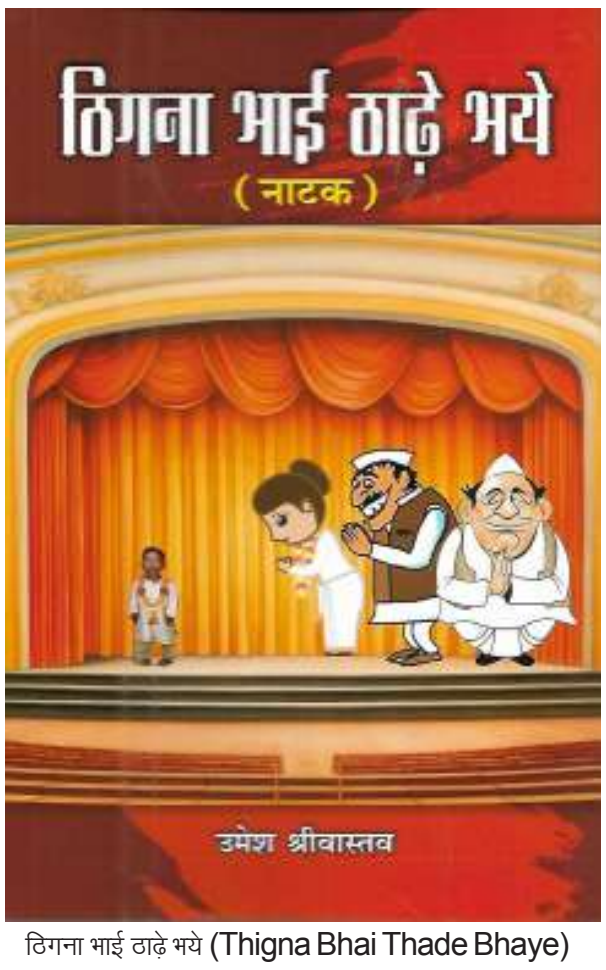

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

भारत-अमेरिका संबंधों को कितनी अहमियत देते हैं ट्रंप? राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद राजदूत गोर का खुलासा

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप भारत और अमेरिका के बीच के रिश्तों को बहुत अहमियत देते हैं। सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर इस मुलाकात की जानकारी साझा की। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि वे कुछ दिनों के लिए अमेरिका वापस आए हैं। उनकी पहली मुलाकात व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप के साथ हुई। गोर ने बताया कि राष्ट्रपति दोनों देशों के संबंधों को लेकर काफी गंभीर हैं। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ ओवल ऑफिस की एक तस्वीर भी पोस्ट की। सर्जियो गोर ने इसी साल जनवरी में भारत में अमेरिकी राजदूत का पद संभाला है। इससे पहले उन्होंने व्हाइट हाउस प्रेसिडेंशियल पर्सनेल ऑफिस के निदेशक के रूप में काम किया है। राजदूत होने के साथ–साथ गोर दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए अमेरिका के विशेष दूत की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं।

क्रीमिया में क्रैश हुआ रूस की सेना का विमान, एएन-26 हादसे में 29 लोगों की मौत

क्रीमिया, एजेंसी। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि सैन्य परिवहन विमान क्रीमिया में दुर्घटना का शिकार हो गया। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक रूसी सैन्य परिवहन विमान एएन–26 एक चट्टान से टकराकर क्रैश हो गया। हादसे में विमान में सवार 29 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना संभवतः किसी तकनीकी खराबी के कारण हुई है। विमान के क्रैश होने के कारणों की पड़ताल की जा रही है। उड़ान के दौरान अचानक कटा संपर्क बुधवार तड़के आई रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस की समाचार एजेंसी– ज्ै ने रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया, स्थानीय समय के अनुसार मंगलवार शाम लगभग छह बजे (1500 ळडज) क्रीमिया के ऊपर से उड़ान भरते समय विमान से संपर्क टूट गया। यूक्रेन के भूभाग पर बीते 12 साल से यूक्रेन का कब्जा क्रीमिया में जिस स्थान पर ये हादसा हुआ है, यह प्रायद्वीपीय इलाका है। काले सागर के तट तक फैली विशाल पर्वत श्रृंखलाओं से घिरे हुए इस क्षेत्र को रूस ने 2014 में अपने अधिकार में ले लिया गया था। पहले इस भूभाग पर यूक्रेन का अधिकार था। रूसी रक्षा मंत्रालय ने अभी तक इसे लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है। एएन–26 विमान 1960 के दशक से सेवा में है और हाल के वर्षों में ये विमान कई बार दुर्घटनाओं का शिकार हो चुका है। साल 2022 में भी एक एएन–26 विमान यूक्रेन के जापोरिज्या क्षेत्र में क्रैश हुआ था। जिसमें एक व्यक्ति की मौत हुई थी। इसी तरह साल 2020 में भी ये विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिसमें 27 लोगों की मौत हुई थी।

क्या कुछ बड़ी योजना बना रहा जापान?: तैनात कीं चीन तक मार करने वाली लंबी दूरी की मिसाइलें

टोक्यो , एजेंसी। जापान की पहली लंबी दूरी की मिसाइल दक्षिण–पश्चिमी सेना शिविर में तैनात की गई है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि देश अपनी आक्रमण क्षमताओं को मजबूत करने में जुटा है। उन्नत टाइप–12 मिसाइल की मारक क्षमता

1,000 किलोमीटर (620 मील) है, जो मूल मिसाइल की 200 किलोमीटर (125 मील) की मारक क्षमता से काफी अधिक है। मूल मिसाइल चीन की मुख्य भूमि तक मार कर सकती थी और इसकी जद में पूरा चीन आ सकता है। जापान की मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज द्वारा विकसित और निर्मित उन्नत टाइप–12 भूमि–से–जहाज मिसाइलें कुमामोटो प्रांत के केंगून शिविर में परिचालन में आ गईं।

जापान की रक्षा मंत्री शिंजीरो कोइजुमी ने कहा कि युद्धोत्तर काल में जापान के सामने सबसे गंभीर और जटिल सुरक्षा वातावरण है... ऐसे में यह क्षमता जापान की प्रतिरोधक क्षमता और प्रतिक्रियाशीलता को मजबूत करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वह बोले, यह आत्मरक्षा के लिए जापान के दृढ़ संकल्प और क्षमता को प्रदर्शित करता है। लंबी दूरी की मिसाइल की तैनाती से जापान को स्टैंडऑफ क्षमता प्राप्त हो गई है, जिसका अर्थ है कि वह दूर से शत्रु के मिसाइल ठिकानों पर हमला कर सकता है। मिसाइल तैनाती का विरोध फिलहाल, आवासीय इलाके के पास मिसाइलों की तैनाती का विरोध कर रहे स्थानीय लोगों ने केंगुन कैंप के बाहर प्रदर्शन किया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

युद्ध में रसायनिक हथियारों के इस्तेमाल का डर? इस्राइल ने ईरान की फैक्ट्री पर किया हमला

तेहरान एजेंसी। इस्राइल ने बुधवार तड़के दावा किया कि उसने ईरान में एक ऐसे प्लांट पर हमला किया है, जहां से फेंटानिल नामक शक्तिशाली सिंथेटिक ड्रग की आपूर्ति ईरान की सरकार को की जा रही थी। इस्राइल का दावा है कि इस फेंटानिल ड्रग का इस्तेमाल रासायनिक हथियार बनाने में किया जा सकता था। ईरान सरकार ने भी तेहरान स्थित तोफिघ दारू फैक्ट्री पर हमले की पुष्टि की और इस्राइल के दावे को खारिज कर दिया। ईरान ने जोर देकर कहा कि वहां केवल अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाली दवाओं का उत्पादन होता है। ईरान के विदेश मंत्री ने इस्राइल पर लगाए आरोप दोनों देशों के अनुसार यह हमला मंगलवार

को हुआ। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फैक्ट्री की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, श्इस्राइल के युद्ध अपराधी अब खुलेआम और बेशर्मी से दवा कंपनियों पर बमबारी कर रहे हैं।श फेंटानिल का इस्तेमाल अस्पतालों में गंभीर दर्द के इलाज के लिए किया जाता है, हालांकि इसकी थोड़ी सी मात्रा भी घातक साबित हो सकती है। इस्राइल और अमेरिका ने लगाए गंभीर आरोप इस्राइल और अमेरिका पहले भी यह आरोप लगाते रहे हैं कि ईरान हथियारों में फेंटानिल का इस्तेमाल कर रहा है। अमेरिका ने इससे पहले यह भी कहा था कि ईरान के शैक्षणिक शोध में इस बात का अध्ययन किया गया कि 2002 के मॉस्को थिएटर बंधक संकट के दौरान रूस ने संभवतः फेंटानिल के एक रूप का इस्तेमाल किया था। इस्राइल का आरोप है कि तोफिघ दारू फैक्ट्री तेहरान के एक उन्नत शोध संस्थान एसपीएनडी (च्छक) को फेंटानिल की आपूर्ति करती थी। अमेरिका का दावा है कि एसपीएनडी ने ऐसे शोध और परीक्षण किए हैं, जिनका इस्तेमाल परमाणु विस्फोटक उपकरणों और अन्य हथियारों के विकास में किया जा सकता है। ईरान युद्ध के बीच जहाजों पर हमले बढ़े इस बीच, बुधवार तड़के कतर के तट के पास एक तेल टैंकर पर भी हमला हुआ। ब्रिटेन की यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (न्झडज्) ने बताया कि एक प्रोजेक्टाइल जहाज से टकराया। हालांकि, इस हमले में किसी तरह का पर्यावरणीय नुकसान नहीं हुआ और जहाज का चालक दल सुरक्षित है। वहीं, मंगलवार को दुबई के पास एक कुवैती तेल टैंकर पर भी हमला हुआ था। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक फारस की खाड़ी में 20 से अधिक जहाजों पर हमले हो चुके हैं। यमन से इस्राइल पर हुआ मिसाइल हमला इस्राइली मीडिया ने बताया कि यमन से इस्राइल पर एक मिसाइल दागी गई, जिसे इस्राइली सेना ने इंटरसेप्ट कर तबाह कर दिया। इस हमले में किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं हैं। इस हमले के चलते दक्षिणी इस्राइल में सायरनों की आवाज सुनी गई।

पश्चिम एशिया युद्ध की भारी कीमत: जीडीपी में 2025 की बढ़ोतरी से ज्यादा का नुकसान, यूएन की रिपोर्ट में अहम खुलासा

न्यूयॉर्क , एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव, अब पांचवें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है। यह युद्ध जितना लंबा खिंच रहा है, वैश्विक स्तर पर उसका उतना ही गहरा असर पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि पश्चिम एशिया के देशों ने बीते साल यानी 2025 में जितनी कुल जीडीपी बढ़ोतरी की थी, ईरान युद्ध में उससे ज्यादा का अब तक नुकसान हो चुका है। साथ ही ये भी कहा गया है कि युद्ध जैसे–जैसे लंबा खिंचेगा, ये नुकसान और बढ़ता जाएगा। पिछले साल की कुल वृद्धि से ज्यादा का हो सकता है नुकसान

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की रिपोर्ट के अनुसार, इस युद्ध से पश्चिम एशिया की अर्थव्यवस्थाओं को उनकी सामूहिक जीडीपी का 3.7 से 6 प्रतिशत तक नुकसान हो सकता है। यह नुकसान अधिकतम 194 अरब डॉलर तक

हो सकता है। यह कुल आर्थिक नुकसान 2025 में पश्चिम एशिया क्षेत्र द्वारा हासिल की गई जीडीपी वृद्धि से भी अधिक हो सकता है। 40 लाख लोग गरीबी रेखा के नीचे जा सकते हैं शमिलिट्री एस्केलेशन इन द मिडिल ईस्टरू इकोनॉमिक एंड सोशल इम्प्लिकेशंस फॉर द अरब स्टेट्स रीजनश शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि बेरोजगारी दर में लगभग 4 प्रतिशत अंकों तक वृद्धि हो सकती है, जिससे करीब 36 लाख नौकरियां खत्म हो सकती हैं। यह संख्या 2025 में सृजित कुल नौकरियों से भी अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन प्रतिकूल परिस्थितियों के चलते लगभग 40 लाख लोग गरीबी रेखा के नीचे जा सकते हैं। रिपोर्ट में क्षेत्र की संरचनात्मक कमजोरियों को उजागर किया गया है, जो यह दिखाती हैं कि अल्पकालिक सैन्य तनाव भी पश्चिम एशिया में लंबे समय तक व्यापक सामाजिक–आर्थिक प्रभाव पैदा कर सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, मानव विकास सूचकांक (भ्क्प्) के आधार पर पश्चिम एशिया का मानव विकास लगभग 0.2 से 0.4 प्रतिशत तक गिर सकता है, जो करीब आधे वर्ष से लेकर लगभग एक वर्ष तक की प्रगति के नुकसान के बराबर है। संयुक्त राष्ट्र ने अरब देशों को दी सलाह यूएनडीपी के अरब देशों के क्षेत्रीय ब्यूरो के निदेशक और संयुक्त राष्ट्र के सहायक महासचिव अब्दल्लाह अल दरदारी ने बताया, श्यह संकट क्षेत्र के देशों के लिए चेतावनी है कि वे अपनी राजकोषीय, क्षेत्रीय और सामाजिक नीतियों की रणनीति पर पुनर्विचार करें। यह क्षेत्र के विकास पथ में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है।श उन्होंने कहा, श्हमारे निष्कर्ष इस बात पर जोर देते हैं कि क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करना जरूरी है,

ताकि अर्थव्यवस्थाओं को हाइड्रोकार्बन आधारित वृद्धि पर निर्भरता से बाहर निकालकर अर्थव्यवस्थाओं का विविधीकरण किया जा सके। साथ ही उत्पादन आधार का विस्तार हो, व्यापार और लॉजिस्टिक्स प्रणाली सुरक्षित बने और आर्थिक साझेदारियां बढ़ें, जिससे संघर्षों के प्रभाव को कम किया जा सके।

व्हाइट हाउस का बड़ा बयान, कहा- सही लोगों से हो रही है बात, ईरान के साथ समझौते की ओर अमेरिका?

वॉशिंगटन, पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव के बीच व्हाइट हाउस ने कहा कि वह ईरान के नए नेतृत्व के साथ गंभीर चर्चा कर रहा है। अमेरिकी प्रशासन को पूरा भरोसा है कि दोनों देशों के बीच जल्द ही कोई समझौता हो सकता है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब चीन और पाकिस्तान ने खाड़ी और मध्य पूर्व में तुरंत युद्ध रोकने की मांग की है। हालांकि अमेरिका के इन दावों के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत की संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच भरोसे का स्तर शून्य है। क्या बोले अमेरिकी अधिकारी? प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था अमेरिका ईरान के नए नेताओं के साथ बातचीत में लगा है और इसमें काफी प्रगति हुई है। अधिकारी ने यह बात पाकिस्तान और चीन के साझा बयान पर पूछे गए सवाल के जवाब में कही। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रपति को जल्द ही समझौता होने का पूरा भरोसा है। साथ ही उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो इसके नतीजे बहुत गंभीर होंगे। चीन–पाकिस्तान की अपील को किया नजरअंदाज व्हाइट हाउस ने चीन और पाकिस्तान के उस साझा बयान को नजरअंदाज कर दिया है, जो बीजिंग में हुई बैठक के बाद सामने आया था। इस बैठक में चीन के विदेश मंत्री वांग यी और पाकिस्तान के उप–प्रधानमंत्री इशाक डार शामिल थे। चीन और पाकिस्तान के बयान में खाड़ी और मध्य पूर्व की स्थिति की समीक्षा की गई। दोनों देशों ने तनाव कम करने और तुरंत युद्ध रोकने की अपील की। उन्होंने कहा कि संघर्ष को फैलने से रोकने के लिए हर संभव कोशिश होनी चाहिए। साथ ही युद्ध प्रभावित इलाकों में मानवीय मदद पहुंचाने की अनुमति देने पर जोर दिया। चीन–पाकिस्तान की अपील दोनों देशों का मानना है कि बातचीत और कूटनीति ही विवाद सुलझाने का एकमात्र रास्ता है। उन्होंने सभी पक्षों से शांतिपूर्ण समाधान निकालने और बल प्रयोग न करने की अपील की। इस प्रस्ताव में नागरिकों की सुरक्षा को सबसे अहम बताया गया है।

इसमें कहा गया कि आम लोगों और गैर–सैन्य ठिकानों पर हमले तुरंत रुकने चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करते हुए ऊर्जा, बिजली और परमाणु संयंत्रों जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों की सुरक्षा होनी चाहिए। बयान में होर्मुज जलमार्ग को वैश्विक व्यापार के लिए बहुत जरूरी बताया गया। दोनों देशों ने वहां से जहाजों की सुरक्षित आवाजाही बहाल करने की मांग की। दूसरी तरफ, अमेरिका ने तेहरान के साथ पर्दे के पीछे चल रही बातचीत के संकेत दिए हैं, लेकिन इसकी जानकारी देने से मना कर दिया। अधिकारी ने कहा कि वे शासन के सही लोगों से बात कर रहे हैं और वे लोग भी समझौता करना चाहते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये बहुत संवेदनशील कूटनीतिक बातें हैं और अमेरिका मीडिया के जरिए बातचीत नहीं करेगा।

क्या बड़ी तैयारी कर रहे नेतन्याहू?: ईरान के खिलाफ क्षेत्रीय देशों के साथ गठबंधन की योजना, समझिए कितनी असरदार

तेल अवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन–ब–दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इस्राइल और खाड़ी देशों में मैजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब अपने 33वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव अब भी चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच अब इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने बताया कि ईरान से युद्ध में अब इस्राइल कौन सी नई योजना बना रहा है और यह कितना असरदार होगा? अपने संबोधन में इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइल धीरे–धीरे नए क्षेत्रीय गठबंधनों का निर्माण कर रहा है, ताकि ईरान के खतरे से निपटा जा सके। उन्होंने कहा कि इस्राइल क्षेत्र के महत्वपूर्ण देशों के साथ संबंध मजबूत कर रहा है और इसे उन्होंने ईरानी खतरे का सामना करने के लिए जरूरी बताया। एक महीने से ज्यादा समय से जारी संघर्ष के बीच इस्राइल का यह कदम इस क्षेत्र में बदलते राजनीतिक परिदृश्य और संघर्ष के बीच व्यापक सहयोग की ओर इशारा करता है। हालांकि अपने बयान में इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अभी तक यह नहीं बताया कि ये कौन से देश हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही मैं इन महत्वपूर्ण समझौतों के बारे में और जानकारी साझा कर सकूंगा। ऐसे समय में इस्राइली प्रधानमंत्री का यह बयान यह संकेत देता है कि इस्राइल और अरब देशों के कुछ हिस्सों के बीच सहयोग बढ़ रहा है। इस्राइली पीएम का कहना है कि इस साझेदारी का उद्देश्य ईरान की सैन्य और परमाणु योजनाओं के खिलाफ एकजुट होना है।

अमेरिका का मिशन चांद: 54 साल बाद चार अंतरिक्ष यात्री रच सकते हैं इतिहास, क्या और कैसी है तैयारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी– नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने अगले कुछ वर्षों में चांद पर एक स्थायी बेस स्थापित करने की योजना रखी

है। बीते हफ्ते ही एजेंसी ने अगले एक दशक के चांद से जुड़े मिशन्स का रोड मैप सामने रखा था। इसमें ही चांद पर बेस बनाने और इसके लिए कुछ आधारभूत ढांचों को लगाने की समयसीमा का भी खुलासा किया गया। नासा की तरफ से यह पूरी योजना ऐसे समय में रखी गई है, जब उसके आर्टेमिस–2 मिशन लॉन्च होने की तारीख नजदीक आ चुकी है। माना जा रहा है कि एक अप्रैल को सभी स्थितियों को परखने के बाद नासा चार अंतरिक्ष यात्रियों को अपने पहले चंद्र मिशन के लिए रवाना कर देगा। इस तरह करीब 54 साल बाद अमेरिका एक बार फिर चांद पर इंसान भेजने की रेस में शामिल होगा। आखिर 54 साल बाद जिस आर्टेमिस–2 मिशन को नासा मुकम्मल करने जा रहा है, वह है क्या? कौन–कौन इस मिशन का हिस्सा होगा? इसकी लॉन्चिंग की तैयारी कब से की जा रही है? आर्टेमिस–2 का लक्ष्य क्या तय किया गया है? इसके चांद पर लैंडिंग कराने की क्या तैयारी है? इस मिशन के बाद क्या होगा? आइये जानते हैं... नासा का आर्टेमिस–2 मिशन उनके आर्टेमिस कार्यक्रम की दूसरी निर्धारित उड़ान है और 1972 (अपोलो 17) के बाद चंद्रमा के करीब जाने वाला पहला मानव मिशन है। यह लगभग 10 दिन का मिशन है, जो स्पेस लॉन्च सिस्टम (एसएलएस) रॉकेट और ओरायन अंतरिक्ष यान का इस्तेमाल करेगा। बता दें कि आर्टेमिस–1 मिशन को 2022 में लॉन्च किया गया था, तब यह चांद के चक्कर लगाने वाला मानवरहित मिशन था। इसके जरिए रॉकेट और स्पेसशिप के लिए अंतरिक्ष और चांद के करीब की स्थितियों को परखा गया था। उस मिशन के आधार पर ही आर्टेमिस–2 मानव मिशन की तैयारी की गई है।

ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने US के साथ बातचीत से इनकार किया, कहा- भरोसे का स्तर शून्य पर है

तेहरान, एजेंसी।ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत की संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच भरोसे का स्तर शून्य है। अल जजीरा को दिए एक इंटरव्यू में अराघची ने साफ किया कि तेहरान को अमेरिकी कामों में कोई ईमानदारी नजर नहीं आती। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकार के साथ बातचीत का अनुभव कभी अच्छा नहीं रहा है। क्या बोले ईरानी विदेश मंत्री? अराघची ने बताया कि पुराने समझौतों की नाकामी और हालिया दुश्मनी की वजह से कूटनीतिक रास्ते बंद हैं। उन्होंने याद दिलाया कि वर्षों पहले एक समझौता हुआ था, लेकिन अमेरिका बिना किसी ठोस वजह के उससे पीछे हट गया।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।